राफेल, F-16, F-35... रूसी हमले के बाद.. पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

इंदिरा एकादशी पर शिवलिंग पर... पेज 7

वर्ष 6, अंक 63 | भोपाल, रविवार 14 सितंबर, 2025 | अश्विन कृष्ण पक्ष, अष्टमी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

मिजोरम में विकास और मणिपुर में विश्वास की लहर

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी इंफाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मणिपुर और मिजोरम यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थीं, बल्कि इन्हें पूर्वोत्तर भारत के भविष्य की दृष्टि से एक निर्णायक कदम माना जाना चाहिए। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर को करोड़ों रुपए के विकास की सौगात देकर प्रधानमंत्री ने राज्य को विकास की राह पर बढ़ने के लिए प्रेरित किया तो दूसरी ओर मिजोरम को पहली बार राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़कर नई आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोले। मणिपुर की बात करें तो मई 2023 से चली आ रही जातीय हिंसा ने राज्य की सामाजिक संरचना को झकझोर दिया। हज़ारों लोग विस्थापित हुए, सैकड़ों ने अपनी जान गंवाई और विश्वास की दीवारें दरक गईं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री का राहत शिविरों तक पहुँचना और पीड़ित परिवारों से सीधे संवाद करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विश्वास बहाली की ठोस पहल है। जब देश का शीर्ष नेतृत्व प्रभावित समुदायों की आँखों में आँखें डालकर आश्वासन देता है, तो लोगों को भरोसा होता है कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मोदी ने स्पष्ट कहा कि विकास की पहली शर्त शांति है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री के इस संदेश का असर संघर्षरत गुटों तक पहुँचना स्वाभाविक है। यदि संवाद और पुनर्वास की प्रक्रिया ईमानदारी से आगे बढ़ी तो मणिपुर में स्थायी शांति की नींव रखी जा सकती है। निस्संदेह, इस यात्रा से लोगों का विश्वास सरकार पर बढ़ा है और उन्हें लगता है कि उनकी पीड़ा अब उपेक्षित नहीं रहेगी। दूसरी ओर मिजोरम के लिए बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन ऐतिहासिक है। 45 सुरंगों और दर्जनों पुलों से होकर गुज़रने वाली यह रेल परियोजना केवल तकनीकी चमत्कार नहीं, बल्कि आर्थिक जीवनरेखा है। मिजोरम अब सीधे दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी से जुड़ गया है। इसका अर्थ है- रोज़गार और व्यापार के नए अवसर, पर्यटन में भारी बढ़ोतरी, खाद्यान्न व आवश्यक वस्तुओं की आसान आपूर्ति और सबसे महत्वपूर्ण, पूर्वोत्तर को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से स्थायी जुड़ाव। यह परियोजना "एक्ट ईस्ट" नीति को गति देगी और मिजोरम को दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी तैयार करेगी। प्रधानमंत्री ने मिजोरम से जो संदेश दिया उसकी गूँज पूरे देश तक पहुँची है। बहरहाल, प्रधानमंत्री की मणिपुर की यात्रा से यह संदेश गया कि सरकार केवल नीतियों से नहीं, बल्कि संवेदनशील संवाद से भी शांति ला सकती है। वहीं मिजोरम की रेल परियोजना ने दिखा दिया कि पूर्वोत्तर अब उपेक्षित नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का इंजन बनने जा रहा है। इस दौरे का सबसे बड़ा महत्व यही है कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को केवल सीमांत भूगोल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और विकास का केंद्र मानते हुए वहाँ विश्वास और विकास दोनों की नई पटरियाँ बिछाई हैं।

अयोग्य 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने से मिलेगा 40,000 करोड़ जीएसटी: गडकरी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि यदि देश में सभी 97 लाख अयोग्य एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को कबाड़ में तब्दील कर दिया जाए तो केंद्र और राज्यों को जीएसटी के रूप में 40,000 करोड़ रुपये तक का लाभ होगा। उन्होंने बताया कि अगस्त महीने तक तीन लाख वाहन कबाड़ घोषित किए जा चुके हैं जिनमें 1.41 लाख सरकारी वाहन भी शामिल हैं। गडकरी ने वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के निकाय एक्मा के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारे अनुमान के मुताबिक करीब 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने की जरूरत है। ऐसा होने पर 70 लाख नौकरियां पैदा होंगी और केंद्र एवं राज्यों को जीएसटी राजस्व के तौर पर करीब 40,000 करोड़ रुपये मिलेंगे।

उन्होंने निजी क्षेत्र से आग्रह किया कि वाहन को कबाड़ में देने यानी स्क्रैप का प्रमाणपत्र जमा करने वाले ग्राहकों को नए वाहन खरीदते समय कम से कम पांच प्रतिशत की छूट दें। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हर महीने औसतन 16,830 वाहन स्क्रैप हो रहे हैं और निजी क्षेत्र ने इस क्षेत्र में 2,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सरकार ने पर्यावरण-अनुकूल तरीके से चलने के अयोग्य हो चुके एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध ढंग से हटाने के लिए स्वैच्छिक वाहन बेड़ा आधुनिकीकरण कार्यक्रम (वी-वीएमपी) लागू किया हुआ है। मोटर वाहन नियमों के तहत वाणिज्यिक वाहनों के लिए फिटनेस जांच करानाअनिवार्य है। यह जांच आठ साल तक हर दो साल पर करना होता है और फिर हर साल करना जरूरी होता है। निजी वाहनों के मामले में फिटनेस जांच 15 साल की अवधि पूरी होने के बाद करानी होती है। सरकारी वाहनों की उपयोग अवधि 15 साल के बाद समाप्त हो जाती है।

गडकरी ने ऊर्जा सुरक्षा एवं ईंधन आयात पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपये के पेट्रोल-डीजल ईंधन का आयात करता है और कृषि से एथनॉल उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम की जा सकती है। ई-20 पेट्रोल फिलहाल छोटे इंजन संशोधनों के साथ इस्तेमाल किया जा रहा है जबकि ई-27 की मिलावट के बारे में कोई निर्णय सभी जांच पूरे होने के बाद ही लिया जाएगा। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.8 लाख लोगों की मौत हुई। इनमें 66 प्रतिशत लोग 18-34 वर्ष की उम्र के थे। गडकरी ने भारत को आने वाले पांच वर्षों में दुनिया का अग्रणी वाहन उद्योग का विश्वास भी जताया।

पहाड़ी राज्यों के लिए अलग मानदंड बनाने की मांग की

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

मुख्यमंत्री ने यह बात राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के उप प्रबंध निदेशक गोवर्धन सिंह रावत से शुक्रवार को उनके आधिकारिक आवास, ओक ओवर में मुलाकात के दौरान कही। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पहाड़ी राज्यों की अलग तरह की चुनौतियों का जिक्र करते हुए वार्षिक राज्यवार आवंटन में 11 पहाड़ी राज्यों के लिए अलग मानदंड बनाने की अपील की।

सुक्खू ने सुझाव दिया कि इस प्रक्रिया में वन क्षेत्र, हरित पहल और पारिस्थितिक योगदान जैसे मानदंडों पर विचार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह बात राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के उप प्रबंध निदेशक गोवर्धन सिंह रावत से शुक्रवार को उनके आधिकारिक आवास, ओक ओवर में मुलाकात के दौरान कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार और नाबार्ड मुख्यालय के बीच समन्वय को मजबूत करने में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने नाबार्ड से ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के अंतर्गत भूमि आधारित सौर परियोजनाओं को वित्त पोषण के लिए पात्र मानने का आग्रह भी किया।

चाइना पर टैरिफ, रूस पर बैन, यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप नाटो को सुझा रहे प्लान

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी वॉशिंगटन

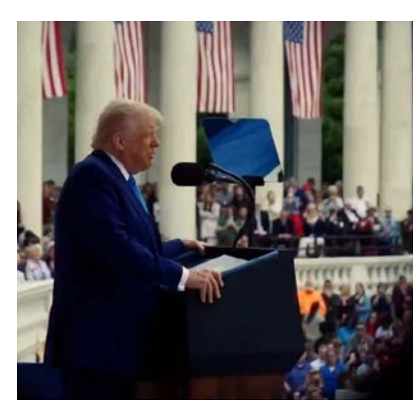

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों से मास्को पर दबाव बनाने और चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए व्यापक सामूहिक कार्रवाई करने का आह्वान किया है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ट्रुथ सोशल पर एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट में, ट्रंप ने नाटो देशों से आग्रह किया कि वे रूसी तेल खरीदना बंद कर दें और युद्ध समाप्त होने तक चीन पर 50% से 100% तक भारी शुल्क लगाएँ। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है, लेकिन केवल तभी जब सभी नाटो सहयोगी भी इसी तरह के उपायों के लिए प्रतिबद्ध हों। उन्होंने युद्ध प्रयासों के प्रति नाटो की अपर्याप्त प्रतिबद्धता को संबोधित करते हुए लिखा मैं भी आपके साथ जाने के लिए तैयार हूँ। बस बताइए कब? उन्होंने कई नाटो देशों की रूसी तेल ख़रीद जारी रखने के लिए आलोचना की और कहा कि इससे गठबंधन की मास्को के साथ बातचीत करने की क्षमता कमज़ोर होती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी नाटो देशों और विश्व को भेजा गया एक पत्र" शीर्षक वाले एक पत्र-शैली के संदेश में, पूर्व राष्ट्रपति ने ज़ोर देकर कहा कि समन्वित प्रतिबंधों और व्यापार उपायों से संघर्ष का शीघ्र अंत हो सकता है। ट्रंप ने लिखा कि यह घातक, लेकिन हास्यास्पद युद्ध, अगर उनकी सिफारिशों का पालन किया गया, तो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। ट्रंप ने आगे तर्क दिया कि चीन का रूस पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और उन्होंने प्रस्ताव दिया कि नाटो द्वारा चीनी वस्तुओं पर लगाए गए उच्च शुल्क इस प्रभाव को कमज़ोर कर देंगे। उन्होंने कहा कि ये शुल्क युद्ध समाप्त होने तक लागू रहने चाहिए और शांति बहाल होने पर पूरी तरह से हटा दिए जाएँगे। मौजूदा प्रशासन की आलोचना करते हुए ट्रंप ने कहा यह ट्रंप का युद्ध नहीं है (अगर मैं राष्ट्रपति होता तो यह कभी शुरू ही नहीं होता!)। यह बाइडेन और ज़ेलेंस्की का युद्ध है।

पाकिस्तानी सेना पर टूट पड़े TTP के लड़ाके, 12 मौत, कई लोग गंभीर

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी इस्लामाबाद

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में पाकिस्तानी तालिबान द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में कम से कम 12 सैनिक मारे गए। एक स्थानीय सरकारी अधिकारी के अनुसार, सुबह 4:00 बजे दक्षिण वज़ीरिस्तान ज़िले से गुज़र रहे एक सैन्य काफ़िले के दौरान, हथियारबंद लोगों ने दोनों तरफ़ से भारी हथियारों से गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप 12 सुरक्षाकर्मी मारे गए और चार घायल हो गए। क्षेत्र के सुरक्षा अधिकारी ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की और बताया कि हमलावरों ने काफ़िले के हथियार छीन लिए। तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी), जिसे पाकिस्तानी तालिबान के नाम से भी जाना जाता है, ने सोशल मीडिया के ज़रिए इस हमले की ज़िम्मेदारी ली। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हाल के महीनों में हुए सबसे भीषण हमलों में से एक है, जहाँ टीटीपी का पहले काफ़ी इलाकों पर नियंत्रण था, लेकिन 2014 के एक सैन्य अभियान के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा। 2021 में काबुल में अफ़ग़ान तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से, अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियाँ तेज़ हो गई हैं। हालाँकि अलग-अलग संगठन होने के बावजूद, टीटीपी अफ़ग़ान तालिबान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखता है। पाकिस्तान का तर्क है कि अफगानिस्तान उन आतंकवादियों को हटाने में विफल रहा है जो अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल कर पाकिस्तान पर हमला करते हैं, जबकि काबुल के अधिकारी इन दावों को खारिज करते हैं। खैबर पख्तूनख्वा के विभिन्न जिलों के स्थानीय निवासियों ने हाल ही में इमारतों पर टीटीपी ब्रांड की भित्तिचित्रों की सूचना दी है, जिसमें अमेरिकी आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के चरम के दौरान समूह के पिछले नियंत्रण की संभावित वापसी के बारे में चिंता व्यक्त की गई है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

स्वर्गीय श्री जगदीश किंजल्क जी के कहानी संग्रह 'अमानत' का हुआ भव्य लोकार्पण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

श्री मनोज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में स्वर्गीय श्री किंजल्क जी के कहानियों के संग्रह अमानत का गरिमामय और भव्य समारोह 13 सितंबर 2025 को दुष्यंत संग्रहालय में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि की भूमिका श्री मुकेश वर्मा ने निभाई साथ ही श्री शशांक, श्रीमती विजय लक्ष्मी विभा और श्री प्रियदर्शी खैरा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। पुस्तक की समीक्षा श्री गोकुल सोनी ने की और संचालन का कार्यभार श्री दिनेश प्रभात जी ने संभाला। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई तत्पश्चात डॉक्टर सस्मिता श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। किंजल्क जी की छोटी पुत्रवधू श्रीमती विधि राय खरे ने स्वागत भाषण दिया। पुस्तक की संपादिका श्रीमती राजो किंजल्क ने अपने उद्बोधन में पुस्तक की रूपरेखा और भूमिका के संबंध में बताया। किंजल्क जी के बड़े सुपुत्र श्री अंशुल खरे ने उनकी कहानी का मंच पर पाठ किया और उनके छोटे सुपुत्र श्री अद्वैत खरे ने अपने पिता को कविता के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष श्री मनोज श्रीवास्तव जी ने किंजल्क जी की कहानियों के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि कहानियां बहुत ही हृदयपर्शी हैं और आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने एक कहानी का उल्लेख किया जो कि बंटवारे की त्रासदी को उजागर करती है, और उन्होंने ये भी कहा कि लेकर आजकल के साहित्यकार ऐसे विषयों को नहीं उठाते हैं। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्री मुकेश वर्मा ने कहा - वैसे तो वो प्रत्येक विधा में लिखते थे परन्तु उनकी मुख्य विधा कहानी ही थी और वो एक सफल कहानीकार थे। उद्बोधन की श्रृंखला में विशिष्ट अतिथि श्री शशांक जी ने किंजल्क जी को याद करते हुए कहानियों पर विस्तार से चर्चा की, साथ ही उन्होंने किंजल्क जी की परिचर्चाओं पर जो आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को आईना दिखाने का काम करती हैं, उनको भी प्रकाशित करने का सुझाव दिया। सुप्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती विजय लक्ष्मी विभा जो कि किंजल्क जी की बड़ी बहन भी हैं उन्होंने अपने उद्बोधन करते हुए बताया कि जगदीश किंजल्क की कहानियों का सफर जब शुरू हुआ तब वो बी.ए. के छात्र थे। जब वो कोर्स पढ़ने के लिए बैठते थे लेकिन कहानियों लिखने लग जाते थे। तो वो प्रायः पिताजी स्व. श्री अंबिका प्रसाद दिव्य से उनकी शिकायत करती थी तो पिताजी मुस्कुराते हुए किंजल्क को डांटते थे और मुझे ये जाता देते थे कि उन्हें किंजल्क का कहानी लिखना अच्छा लग रहा है, और परोक्ष रूप से उन्हें प्रोत्साहन मिलता रहा। श्री गोकुल सोनी ने पुस्तक की समीक्षा की एवं सर्वप्रथम किंजल्क जी के साथ अपने संस्मरणों को याद किया तत्पश्चात कुछ कहानियों पर प्रकाश डालते हुए किंजल्क जी उत्कृष्ट कहानियों को उपस्थित अतिथियों से पढ़ने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कहा कि किंजल्क जी की कहानियां उस कालखंड को सफलता से प्रतिबिंबित करती हैं और इन प्रेम केंद्रित कहानियों को पढ़ कर श्री गुलशन नंदा की याद आ जाती है। श्री दिनेश प्रभात जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि उन्होंने जिंदगी में मैने पहला पुरुष ऐसा देखा है जिसकी आवाज कोयल से भी ज्यादा मीठी थी और आचरण खरगोश की तरह था जिसको खुल्ले में छोड़ दो तो बलिया उछलता था और हाथ फेर दो तो दुबक जाता था।
अंत में किंजल्क जी की बड़ी पुत्रवधू डॉक्टर सौम्या खरे ने आभार व्यक्त करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में साहित्य और कला जगत की अनेक हस्तियां मौजूद थीं। श्री अभिषेक वर्मा, श्री प्रकाश खरे, श्री अनीह खरे, , श्री अमिताभ श्रीवास्तव, श्रीवी अनमोल खरे, श्री अवनीन्द्र खरे, डॉक्टर नमिता श्रीवास्तव, श्रीमती मीना राय आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत का हुआ सफलतापूर्वक आयोजन

सीएमओ सुश्री ज्योति सुनहरे एवं नगर पालिका वसूली प्रभारी द्वारा बकाया करों का क्या निपटारा

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री ज्योति सुनहरे के निर्देश के अनुक्रम में निकाय द्वारा नगरीय क्षेत्र सारंगपुर में प्रचार-प्रसार किया गया एवं संबधित बकाया कर दाताओं को कर से संबंधित नोटिस जारी कर दिनांक 13 सितम्बर, 2025 को तृतीय नेशनल लोक अदालत में शासन द्वारा दी जाने वाली अधिभार में छूट का लाभ लेकर बकाया कर जमा करने के लिए प्रेरित किया गया।
नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया जाता है, जिससे समय, धन और श्रम की बचत होती है। लोक अदालत का निर्णय अंतिम होता है और इसके विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती है। लोक अदालत में निराकरण होने से पक्षकारों के मध्य विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है। सीएमओ सुश्री ज्योति सुनहरे द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों का निराकरण कराए जाने के लिए सभी वार्ड प्रभरियों को निर्देशित किया गया। जिसमें सभी प्रकार की लंबित एवं बडे बकाया दारों की जलकर राशि लगभग 8,64,000 सम्पत्तिकर राशि लगभग 36,18,000 एवं दुकान किराया राशि 10,00,000 सहित कुल 54,82,000/- राशि के नोटिस जारी किये गये । जिसमें सायं 4.00 बजे तक जलकर 1,91,200/- सम्पत्तिकर 2,31,126/- व दुकान किराया राशि 1,05,200/- की नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कुल राशि 5,27,526/- जमा हो चुकी है तथा और भी बकाया दारों के द्वारा राशि जमा हेतु कतार में हैं जिनसे लगभग एक से डेढ लाख की राशि और जमा होने की संभावना है।   नेशनल लोक अदालत में विधिक सेवा प्राधिकरण स्टाफ सहित नगर पालिका के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

ओबीसी आरक्षण पर भोपाल में अधिवक्ताओं की बैठक

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर भोपाल में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह की मौजूदगी में बुलाई गई बैठक में 13 प्रतिशत पदों को होल्ड किए जाने का मामला सबसे अधिक उठा। इस मामले में महाधिवक्ता ओबीसी महासभा और 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे याचिकाकर्ताओं के वकीलों को संतुष्ट नहीं कर सके। वहीं देर शाम ओबीसी वर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने भी ओबीसी वर्ग के समस्त हितों को ध्यान में रखने का भरोसा दिलाया। शनिवार को राजधानी की एक होटल में ओबीसी आरक्षण को लेकर बुलाई गई बैठक में महाधिवक्ता ने कहा कि दूसरे पक्ष के लोग कोर्ट चले जाएंगे और पूरा मामला फिर लटक जाएगा। हालांकि पूरी बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ है। सरकार 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए तैयार है। बैठक में सुप्रीम कोर्ट के वकील वरुण ठाकुर, रामेश्वर ठाकुर समेत ओबीसी वर्ग के अन्य अधिवक्ताओं, ओबीसी महासभा और ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिलाने की लड़ाई लड़ रहे संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा कि सरकार यह कह रही है कि हम 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन पीएससी की परीक्षा के जरिए होने वाली भर्ती में वर्ष 2019 से जो 13 प्रतिशत पद होल्ड किए जा रहे हैं, उन पदों को अनहोल्ड नहीं किया जा रहा है जबकि सुप्रीम कोर्ट भी साफ कर चुका है कि आपको हमारे पास आने की जरूरत नहीं है। ठाकुर ने कहा कि कल ही पीएससी के रिजल्ट आए हैं, उसमें भी 13 प्रतिशत पद होल्ड रखे गए हैं जबकि सरकार 23 सितम्बर से सुप्रीम कोर्ट में इसको लेकर लगातार होने वाली सुनवाई में सभी वर्गों को साथ लेने के लिए बैठक बुला रही है। इसको लेकर सीएम निवास और दिल्ली में दो दौर की बैठक हो चुकी है और आज यह तीसरी बैठक थी जिसमें कोई सार्थक जवाब नहीं आया है। बैठक के बाद सभी पक्षों के सहमति और नतीजे को लेकर मीडिया ने प्रदेश सरकार के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह से बात करने की कोशिश की लेकिन वे जवाब देना टाल गए। इसके बाद ओबीसी महासभा के धर्मेंद्र सिंह और अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा कि आज हुई बैठक में जब पदों को अनहोल्ड किए जाने का मामला उठा तो महाधिवक्ता सिंह ने यह कहा कि अगर पदों को अनहोल्ड किया गया तो लोग कोर्ट चले जाएंगे। अधिवक्ताओं ने कहा कि ऐसे में उन्हें कहा गया कि जिसे कोर्ट जाना है वे तो जाएंगे ही लेकिन अगर सरकार ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती है तो पीएससी के 13 प्रतिशत पदों को अनहोल्ड किया जाना चाहिए।

भक्तों ने की रुक्मिणी विवाह की कथा श्रवण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

श्री सिद्ध संकटमोचन हनुमान मंदिर आजाद नगर अयोध्या नगर बाय पास में सीताराम पाठक के सानिध्य में चल रही श्रीमद् भागवत कथाबाचक अमित तिवारी ओरछा धाम के मुखारविंद से रुक्मिणी विवाह की कथा श्रवण की कथा के मुख्य यजमान राम प्रकाश साहू, निर्मला साहू, अर्पित साहू, मंजू नितिन साहू, कथा में यशोदा धर्मेंद्र पाराशर, उमा शर्मा, जीतेन्द्र, ओरछा वाले पंडित अशोक महाराज, दुबे महाराज एवं शिवानी श्याम पाठक, आशा गोकुल प्रसाद कुशवाह, प्रीति दीपक कुशवाह, सुशीला पाठक, मुलायमसिंह, दिनेश्वरीदेवीआर के बाजपेई एवं समस्त कथा प्रेमी व समस्त कमेटी आदि।

'निज भाषा उन्नति अहे' के अंतर्गत राजभाषा परववाड़ा आयोजित करेगी लघुकथा शोध केंद्र समिति

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राष्ट्रभाषा हिंदी के विकास और प्रचार प्रसार के लिए लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल दिनांक 14- 30 सितंबर तक एक ऑन -लाइन गूगल मीट पर महत्वपूर्ण आयोजन करने जा रही है, इस आयोजन में देश और विदेश के विद्वान वक्ता हिंदी का अनुवाद वैश्विक संदर्भ में, दृश्य श्रव्य माध्यम यानि मीडिया में हिंदी, फिल्मों की हिंदी , विविध संचार माध्यम और डिजिटल युग में हिंदी, प्रादेशिक भाषाओं और बोलियों से हिंदी का अंतर्संबंध , विज्ञापन वर्तमान बाजार और हिंदी जैसे विषयों पर प्रतिदिन शाम- 6 :30 से यह आयोजन किया जाएगा , | इस कार्यकम के संबंध में अधिक जानकारी के लिए आयोजन की संयोजक कांता रॉय ,निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल अथवा श्रीमती ममता माली (मुंबई) से संपर्क किया जा सकता है, |

सारंगपुर में सेवा परववाड़ा की तैयारीः भाजपा ने आयोजित की व्यापक बैठकें

कार्यकर्ता समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं देशभक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र में आगामी सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 2 अक्टूबर) की तैयारियों को लेकर भाजपा के विभिन्न मंडलों ने ग्रामों एवं मंडलों में व्यापक बैठकों का आयोजन किया। इन बैठकों में मध्य प्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल की विशेष उपस्थिति रही। भाजपा कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सेवा, समाज सुधार एवं आत्मनिर्भर भारत का संदेश आम जनमानस तक पहुंचाने का संकल्प ले रहे हैं।
भाजपा मंडल सांडावत के ग्राम भूमका, भाजपा मंडल पचौर के ग्राम पीपल्या देव और भाजपा कार्यालय सारंगपुर में सारंगपुर, गुलावता (पड़ल्या) एवं पड़ाना मंडलों की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। इन बैठकों में आगामी सेवा पखवाड़ा के तहत किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज सेवा का समर्पण है, जो हर वर्ग तक पहुंचकर सामाजिक चेतना को जागृत करेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कार्यकर्ताओं को माताजी के नाम से एक पेड़ लगाने का संकल्प लेना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके और हर कार्यकर्ता पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सके।
इसके अतिरिक्त रक्तदान शिविर का आयोजन कर ज़रूरतमंदों की सहायता सुनिश्चित की जाएगी। समाज के विभिन्न अस्पतालों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाकर जनता में स्वच्छता का महत्व बताया जाएगा। समाज के प्रबुद्ध वर्ग से संवाद कर समाज सुधार एवं आत्मनिर्भर भारत का संदेश व्यापक रूप से फैलाया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान कर उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा, जिससे सामाजिक सद्भावना और सम्मान की भावना को और मजबूती मिलेगी। देशी वस्तुओं को प्रोत्साहित करने हेतु "लोकल फॉर वोकल" अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि स्वदेशी उत्पादों का उपयोग बढ़ाया जा सके।कार्यकर्ताओं ने यह भी तय किया कि सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी, फ़िल्म प्रदर्शन एवं पुस्तकों का वितरण कर युवाओं को प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा (नमो वन और नमो पार्क) का निर्माण किया जाएगा और (नमो मैराथन) का आयोजन कर जन-जन में देशभक्ति और स्वास्थ्य संदेश का प्रचार किया जाएगा। दिव्यांग जनों को आवश्यक उपकरण वितरित किए जाएंगे ताकि उनके जीवन को अधिक सशक्त और सुगम बनाया जा सके। 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्मदिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर संगोष्ठी, पुष्पांजलि अर्पण एवं स्वदेशी विषय पर विशेष चर्चा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही ▪ विकसित भारत• विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर नवोदित प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। खादी वस्तुओं के महत्व पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बूथ कार्यकर्ताओं के घर पर बैठकों और भोजन के माध्यम से व्यक्तिगत संवाद स्थापित कर संगठन को जन-आधारित और सशक्त बनाया जाएगा।इन बैठकों में जिला मंत्री श्री जगदीश नागर, भाजपा मंडल सांडावत अध्यक्ष श्री विनोद पाटीदार, भाजपा मंडल पचौर अध्यक्ष श्री विकास दीक्षित, भाजपा मंडल सारंगपुर अध्यक्ष श्री महेश पुष्पद, भाजपा मंडल गुलावता अध्यक्ष श्री गिरिवर भंडारी, भाजपा मंडल पड़ाना अध्यक्ष श्री शेखर शर्मा, जनपद अध्यक्ष श्री देवनारायण नागर, नगर पालिका अध्यक्ष श्री पंकज पालीवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती भावना निलेश वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष श्री कैलाश नागर, मंडल महामंत्री श्री कमल तंवर, श्री रामबाबू वर्मा, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बबीता जुलानिया, जिला महामंत्री श्रीमती नीलम सक्सेना, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री घनश्याम नागर, श्री राधेश्याम लेहरी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री निर्मल जैन, श्री कमल राठौर, श्री सतीश वैस, सरपंच श्री दुर्गा प्रसाद नागर सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सम्मानित ग्रामवासी, माताएं, बहनें और भाईजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के समापन में मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक करना और उन्हें समाजसेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सुधार एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को इस अभियान में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ भागीदारी करनी चाहिए ताकि यह अभियान सफल होकर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सके।

आचार्य विनम्र सागर महाराज के शिष्य अनिल भैया की गोद भराई की रस्म शहर के जैन मंदिरों में

इंदौर में होगी पांच अक्टूबर को मुनि दीक्षा

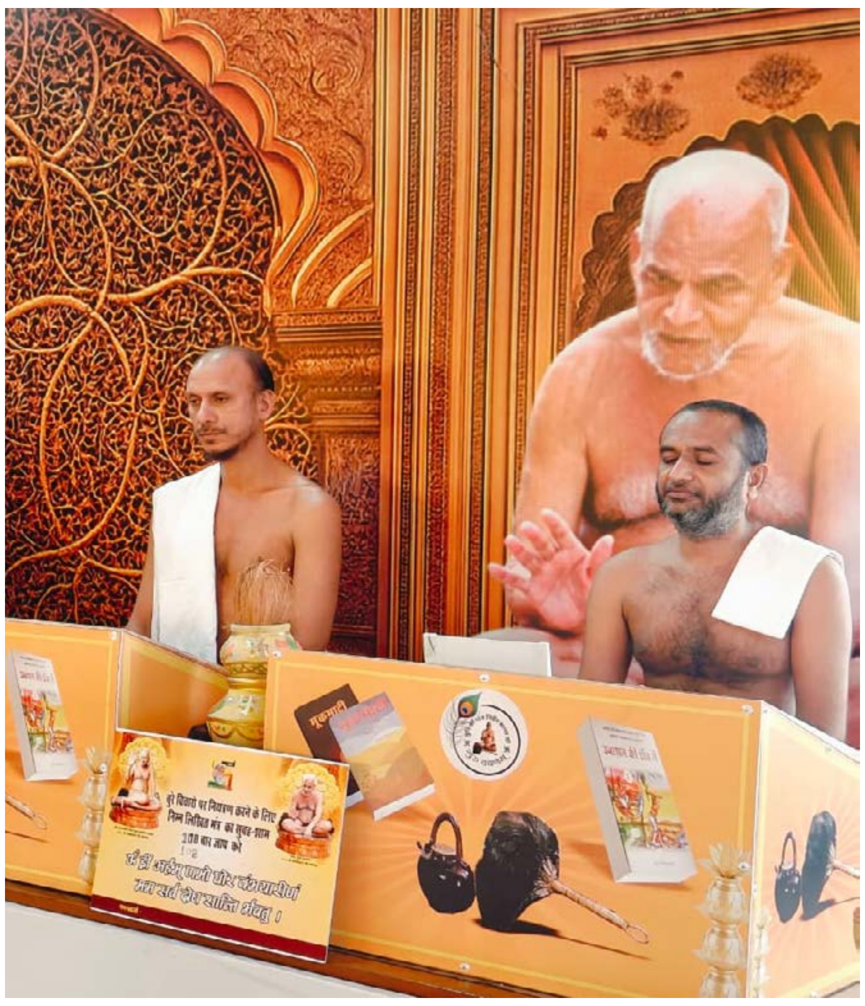

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

आचार्य विनम्र सागर महाराज शिष्य ब्रह्मचारी अनिल भैया की गोद भराई की रस्म शहर के विभिन्न मंदिरों में हुई, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया नंदीश्वर जिनालय में जिन प्रतिमाओं के दर्शन करने के बाद समाज जनों ने मंगल भजनों के साथ गोद भराई की रस्म अदा की, शहर के चौक मंदिर नेमी नगर शंकराचार्य नगर मंदिर अशोका गार्डन मंदिर नेहरू नगर मंगलवारा मंदिर आदि जगहों पर ब्रह्मचारी भैया की गोद भराई हुई। इस अवसर पर नंदीश्वर जिनालय के अध्यक्ष प्रमोद चौधरी एडवोकेट डॉक्टर सर्वज्ञ जैन राकेश सलामतपुर शील चंद्र लचक्या नील चौधरी एडवोकेट मनोज बबलू अजय भंडारी नितिन आम्रपाली संदीप इंदिरा परिवार निर्मल मुनीम विपिन सुनील सिंघई सुमित पांडया पंकज सुपारी स्पर्श जैन हितांशु जैन आदि समाज जन उपस्थित है , संघ पति पंकज सुपारी ने बताया आचार्य श्री द्वारा ब्रह्मचारी भैया की इच्छा देखते हुए उनको 5 अक्टूबर को इंदौर में मुनि दीक्षा दी जाएगी।

वार्ड 56 बरखेड़ा पठानी मे पांच परिवारों के मकान ढहाए, कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता पहुंचे मौके पर

प्रशासन की कार्रवाई पर उठे सवाल, दीपक गुप्ता बोले – "मिले इंसाफ और मुआवजा"

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

गोविंदपुरा विधानसभा के वार्ड 56 में बीते दिनों हुई भारी बारिश के बीच प्रशासन द्वारा अचानक की गई कार्रवाई में पांच परिवारों के मकान तोड़े जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि चैन सिंह यादव, गंगाराम यादव, जुगल किशोर जोशी, बृजलाल, प्रेम नारायण, ललाट यादव और उमराव सिंह जैसे निवासी पिछले 50 वर्षों से इस क्षेत्र में निवासरत थे। प्रशासन ने मात्र दो दिन पूर्व नोटिस देकर यह कार्रवाई की, जिससे स्थानीय नागरिकों में आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक गुप्ता मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इस कार्रवाई को अन्यायपूर्ण और अमानवीय करार देते हुए राज्य सरकार से पीड़ित परिवारों के लिए उचित मुआवजा और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। दीपक गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री के दबाव में "बिना उचित जांच और वैकल्पिक व्यवस्था के वर्षों से रह रहे गरीब परिवारों के घर तोड़ना प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है। सरकार को चाहिए कि दोषी अधिकारी को तत्काल सस्पेंड कर पीड़ितों को राहत दे।" इस अवसर पर कांग्रेस नेता सुशील प्रजापति , उपेंद्र सिंह सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता और नेता भी मौजूद रहे। प्रभावित परिवारों ने भी अपने दुख और प्रशासनिक बेरुखी को लेकर न्याय की गुहार लगाई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्रवाई रातोंरात की गई और उन्हें न तो अपना सामान निकालने का पूरा मौका मिला, न ही पुनर्वास की कोई योजना दी गई। इस मामले में अब राजनीतिक हलचल भी तेज़ हो गई है, और आने वाले दिनों में इसे लेकर प्रदर्शन की भी संभावना जताई जा रही है।

भारत की शक्ति अध्यात्म का भंडार, मुनि निर्वेग सागर महाराज

भानपुर जैन मंदिर में चातुर्मास में हो रही प्रभु पार्श्व नाथ की आराधना

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राज धानी के मंदिरों में संतों के चातुर्मास में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ जीव दया करुणा और परस्पर सहयोग का संदेश संतों द्वारा दिया जा रहा हे, भानपुर जिनालय में मुनि निर्वेग सागर महाराज के सानिध्य में प्रभु पार्श्वनाथ की विशेष आराधना हो रही हे, मुनि निर्वेग सागर जी ने आशीष वचन में कहा संस्कृति और संस्कार सबसे बड़ी हमारे देश की संपत्ति है और अध्यात्म सबसे बड़ी ताकत,,, वर्तमान जो परिस्थितियों एक दूसरे से लड़ने और नीचे दिखाने की समाज और संगठन और देश में आ रही है उसमें संस्कृति संस्कारों धर्म का अभाव है,, म्युनिसिपल नेपाल की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा,, मिश्रित करने वाले नेताओं को धर्म से जुड़े होना चाहिए और साथ ही संतों का सनित्व मार्गदर्शन आशीर्वाद लेते रहना चाहिए,, इससे हमारी संस्कृति संस्कार सुरक्षित होंगे और समाज और देश निरंतर आगे बढ़ेगा,,,, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया भानपुर में सुबह से ही धर्म की साधना के साथ धार्मिक अनुष्ठान और चतुर मास के कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं जो निरंतर चल रहे हैं प्रतिदिन समय सार ग्रन्थ का वाचन और तत्वार्थ सूत्र का वाचन भी हो रहा है, इस , अवसर पर भानपुर जिनालय मंदिर समिति के अध्यक्ष संदीप जैन बंसिया चातुर्मास समिति के अध्यक्ष धर्मचंद जैन चातुर्मास पुण्य आरजक प्रवीण जैन रेंडयू जीतेश जैन स्टोन रमेश चंद्र जैन श्री पाल जैन इंद्र जैन डब्बू मनीष जैन वेद कुमार जैन प्रदीप जैन वीरेंद्र जैन अमित जैन महेंद्र जैन गबर जैन महिला मंडल की सविता अनीता नेहा भारती आभा नीतू सारिका रश्मि मीनू शंगीता सहित शहर की विभिन्न मंदिर समितियां के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी शामिल हुए।

आपूर्तिकर्ताओं के लिए भेल में प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल में विडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से "उद्योग में हरित ऊर्जा के उपयोग" पर आपूर्तिकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ विपुल अग्रवाल, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) ने किया । इस अवसर पर शलभ शर्मा, महाप्रबंधक (थिंक गैस, भोपाल); समीर पॉल, वरि. उप महाप्रबंधक (ईएमटी); ऋचा बाजपेयी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (सीआरएक्स); दीपक कुमार, प्रबंधक (एफएसएक्स) एवं प्रिया दास उपस्थित थे । अपने संबोधन में अग्रवाल ने कहा कि बीएचईएल, भोपाल हरित भविष्य की ओर अग्रसर होने में उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है । इसके उपरांत श्री शलभ शर्मा ने उद्योग में पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के उपयोग एवं श्री समीर पॉल ने सौर ऊर्जा के उपयोग से सभी को अवगत कराया ।

बीएचईएल ने अपनी आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्तिकर्ताओं और आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों को सौर ऊर्जा और पाइप्ड प्राकृतिक गैस को अपनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से सशक्त बनाना है । यह कार्यक्रम, भेल की आपूर्तिकर्ताओं के साथ न केवल व्यावसायिक संस्थाओं के रूप में, बल्कि हितधारक और सीखने एवं विकास में भागीदार के रूप में जुड़ने की परंपरा को अधिक सुदृढ़ करना है ।.

36 घंटे का जीवित्पुत्रिका निर्जला व्रत रखेंगी भोजपुरी समाज की महिलाएं संतान के दीर्घायु एवं सुख समृद्धि लिए कामना करेंगी

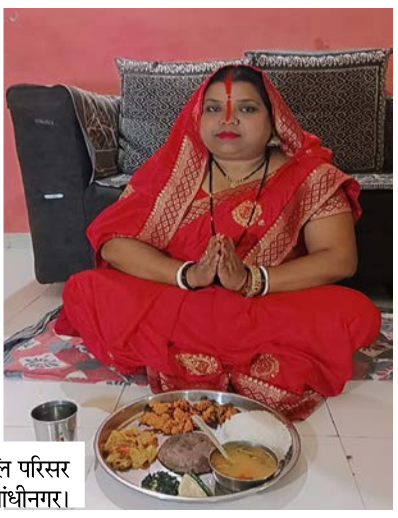

श्रीमती अनीता चौहान निवासी पतंजलि परिसर गांधीनगर, निवासी पतंजलि परिसर गांधीनगर।

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि भोजपुरी समाज पहले दिन नहाए खाए के साथ शुभारंभ हुआ जीवित्पुत्रिका निर्जला व्रत भोजपुरी समाज के महिलाएं स्नान के उपरांत शाम को सात्विक भोजन ग्रहण की जैसा की चावल तरोई की सब्जी दाल और आलू के लौकी के और कच्चे केले के पकोड़े बनाए जाते हैं इत्यादि को पूजा अर्चना के उपरांत प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। दूसरे दिन 14 सितंबर 2025 दिन रविवार अष्टमी तिथि जीवित्पुत्रिका निर्जला व्रत का शुभ मुहूर्त है समय शाम को 4:00 बजे से स्थान शीतल दास के बगिया कमला पार्क बड़े तालाब पहुंचकर स्नान करने के उपरांत समाज की सभी महिलाएं सामूहिक रूप से जिमूतवाहन का कुश की आकृति बनाकर कलश स्थापित कर अक्षत धूप दीप से पूजा अर्चना करेंगी उसके उपरांत जिमूतवाहन कथा का सरवन करेंगी और अपनी संतान की दीर्घायु एवं सुख समृद्धि के लिए कामना करेंगी । इस अवसर पर भोजपुरी एकता मंच समिति के तरफ से जीवित्पुत्रिका व्रत कथा की बुकों का निशुल्क वितरण किया जाएगा। 15 सितंबर नवमी तिथि को पारण होगा जिसका समापन होगा।

गहराती हुई चुनौतियां!

एससीओ की आतंकवाद विरोधी एजेंसी की सदारत अब पाकिस्तान करेगा, जिसे भारत पहलगाम हमले के लिए दोषी मानता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और परिषद की आतंकवाद विरोधी समिति का उपाध्यक्ष वह पहले से ही है। पाकिस्तान अब शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आतंकवाद-विरोधी एजेंसी का अध्यक्ष बन गया है। किर्गिजिस्तान में एससीओ के रिजनल एंटी-टेररिस्ट स्ट्रक्चर (रैट्स) की बैठक में उसे यह पद मिला। वहां भारतीय प्रतिनिधि ने पहलगाम में आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाया और उसके प्रायोजकों को बेनकाब करने का आह्वान किया। रैट्स ने एससीओ के तियानजिन शिखर सम्मेलन में जारी साझा घोषणापत्र की भाषा को दोहराते हुए पहलगाम हमले की निंदा की। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस एजेंसी की सदारत अब पाकिस्तान करेगा, जिसे भारत पहलगाम हमले के लिए दोषी मानता है। इसके पहले पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और सुरक्षा परिषद की आतंकवाद विरोधी समिति का उपाध्यक्ष चुना गया था। पाकिस्तान को ये अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियां उस समय मिलीं, जब पहलगाम हमले का जख्म हरा था और भारत ने विश्व मंचों पर पाकिस्तान को अलग-थलग कराने की मुहिम छेड़ रखी थी। सुरक्षा परिषद में बेशक चीन भी स्थायी सदस्य है, लेकिन वहां अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, और फ्रांस की भी ऐसी ही हैसियत है। इन पांचों में सहमति के बिना कोई निर्णय वहां नहीं होता। एससीओ में भी रूस मौजूद है, जिससे भारत के परंपरागत संबंधों का अक्सर खूब बखान होता है। फिर भी इन दोनों जगहों पर पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी जिम्मेदारी मिल गई है। इसका क्या संकेत है? संभवतः यही कि भारत अपनी राय तार्किक रूप से विश्व मंचों पर रखने में नाकाम हो रहा है। या फिर दुनिया के समीकरण इतने बदल गए हैं, जिसमें पाकिस्तान की हैसियत अचानक बढ़ गई है। अमेरिका से पाकिस्तान के व्यापार संबंध लगातार गहरे हो रहे हैं। इसी हफ्ते अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रेटेजिक मेटल्स ने पाकिस्तान में आधुनिक उद्योगों के लिए महत्त्वपूर्ण खनिजों के खनन और रिफाइनरी प्लांट लगाने के लिए 50 करोड़ डॉलर का करार पाकिस्तान से किया है। ये तमाम खबरें भारत के लिए बढ़ रही कूटनीतिक चुनौतियों का संकेत हैं। दशकों से पाकिस्तान के भारत विरोधी मंसूबों को बेनकाब करना और आतंकवाद के मुद्दे पर उसे अलग-थलग करवाना भारतीय विदेश नीति का खास लक्ष्य रहा है। मगर इसमें अब लगातार झटके लग रहे हैं।

ट्रंप को चाहिए आत्महंता!

ट्रंप के नजरिए में अमेरिका के अलावा किसी अन्य देश की समृद्धि के लिए कोई गुंजाइश नहीं हैं। उनका दोमुंहापन जग-जाहिर है। फिर भी हैरतअंगेज है कि उनकी त्योरियों के हिसाब से भारत के सत्ताधारी हलकों की भंगिमाएं बदलने लगती हैं। जिस रोज डॉनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अभी भी चल रही है और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत का इंतजार कर रहे हैं, उसी रोज यह खबर भी आई कि ट्रंप ने यूरोपियन यूनियन (ईयू) को भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने को कहा है। भारत के सत्ताधारी हलकों में अमेरिका प्रेम इतना ज्यादा है कि ट्रंप के मूड में हलके से बदलाव से भी यहां खुशी की लहर दौड़ जाती है। हफ्ते भर के अंदर ट्रंप ने भारत के प्रति नरम रुख दूसरी बार दिखाया और दोनों बार मोदी ने उस पर उत्साह से भरपूर प्रतिक्रिया जताई। इस बार उन्होंने कहा- 'हम दोनों देशों की जनता के अधिक उज्ज्वल, अधिक समृद्ध भविष्य के लिए काम करेंगे।' मगर अब तक ट्रंप प्रशासन का जो नजरिया सामने आया है, उसमें अमेरिका के अलावा किसी अन्य देश के उज्ज्वल भविष्य या समृद्धि के लिए कोई गुंजाइश है, इसके तनिक भी संकेत नहीं हैं। ईयू नेताओं को उन्होंने ना सिर्फ भारत और चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्देश दिया, बल्कि उनसे यह भी कहा है कि वे रूस से प्राकृतिक गैस के आयात पर पूरी रोक लगाएं। ये बात उन्होंने उस समय कही है, जब उनका प्रशासन चीन के खिलाफ ऐसे कदम उठाने से बच रहा है, जिसको लेकर चीन जवाबी कार्रवाई कर सकता है। उधर रूस से जरूरी खनिजों की खरीदारी अमेरिकी कंपनियों ने जारी रखी हुई है। मगर ट्रंप चाहते हैं कि ईयू एक और आत्महंता कदम उठाए और ऊर्जा के मामले में पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर हो जाए। साथ ही वह चीन की वैसी जवाबी कार्रवाइयां झेले, जिनसे ट्रंप अमेरिका को बचाए रखना चाहते हैं। भारत के मामले में उनके प्रशासन का ऐसा दोहरा रुख पहले ही सामने आ चुका है। उनके वाणिज्य मंत्री भारत के सामने तीन आत्महंता शर्तें रख चुके हैं, जिन्हें मानने के बाद ही बीटीए हो पाएगा। हैरतअंगेज यह है कि ट्रंप के ऐसे खुलेआम दोमुंहेपन के बावजूद उनकी त्योरियों के हिसाब से भारत के सत्ताधारी हलकों की भंगिमाएं बदलती रहती हैं।

श्रीरामसेतु का नाम धनुष्कोटि' भी है...

वाल्मीकि रामायण, महाभारत, स्कंदपुराण, विष्णुपुराण से लेकर कालिदास के रघुवंश तक—हर ग्रंथ में इस सेतु की कथा अंकित है। कथा यह भी कहती है कि विभीषण के अनुरोध पर श्रीराम ने लौटते समय अपने धनुष की नोक से सेतु का एक भाग तोड़ दिया, जिससे उसका नाम 'धनुष्कोटि' पड़ा। सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर श्रीरामसेतु चर्चा के केंद्र में है। भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर 29 अगस्त 2025 को सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। उनकी मांग है कि रामेश्वरम से लेकर मन्नार द्वीप तक फैले इस सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाए और इसके संरक्षण का पक्का इंतज़ाम हो। अदालत ने सरकार से सीधा सवाल पूछा है—इस आस्था स्थल को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देने में अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? भारतीय जनमानस में रामसेतु कोई साधारण पुल नहीं, बल्कि त्रेतायुग की याद, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के पराक्रम और सीता के प्रति उनके अमिट प्रेम का प्रतीक है। लाखों श्रद्धालु इसे तीर्थ मानकर यात्रा करते हैं। यह असत्य पर सत्य की विजय का प्रत्यक्ष उदाहरण माना जाता है। ग्रंथों में वर्णन है कि लंका विजय के लिए वानर सेना ने नल–नील के नेतृत्व में पत्थरों पर 'राम' लिखकर उन्हें समुद्र पर रखा, और चमत्कार यह कि वे पत्थर तैर गए। समुद्र पर पुल बंधा और लंका पर चढ़ाई संभव हुई। वाल्मीकि रामायण, महाभारत, स्कंदपुराण, विष्णुपुराण से लेकर कालिदास के रघुवंश तक—हर ग्रंथ में इस सेतु की कथा अंकित है। कथा यह भी कहती है कि विभीषण के अनुरोध पर श्रीराम ने लौटते समय अपने धनुष की नोक से सेतु का एक भाग तोड़ दिया, जिससे उसका नाम 'धनुष्कोटि' पड़ा। आज भी रामेश्वरम में भगवान श्रीराम की शयनमुद्रा मूर्ति और सेतुबंध रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग इस स्मृति को जीवित रखते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह पुल रहस्यमय है। नासा की उपग्रह तस्वीरों ने समुद्र के भीतर फैली पत्थरों की कड़ी को स्पष्ट दिखाया है। कई विद्वान इसे मानव–निर्मित मानते हैं। पुराणों में कहा गया है कि नल के निर्देशन में पांच दिनों में सौ योजन लंबा और दस योजन चौड़ा यह सेतु बना। पुराणों और लोककथाओं में गिलहरी के योगदान तक का उल्लेख है। यही कारण है कि श्रद्धालु इसे केवल भूतकाल का स्मारक नहीं, बल्कि आज भी जीवंत ऊर्जा का स्रोत मानते हैं। स्कंदपुराण में वर्णित है—रामसेतु का दर्शन करने मात्र से यज्ञों और तीर्थों का पुण्य फल मिलता है। इसमें स्नान पापों का नाश करता है, मोक्ष का द्वार खोलता है। यही कारण है कि इसे 'पापनाशक सेतु' कहा गया। पुराणों में यहां तक कहा गया कि जब तक सेतु रहेगा, तब तक भगवान शिव की उपस्थिति इसमें बनी रहेगी। यही कारण है कि आस्था का यह केंद्र किसी भी विवाद या शंका से ऊपर है। इसे नकारना या मिथक कहना भारतीय बहुसंख्यकों की भावनाओं को ठेस पहुँचाना है। श्रीरामसेतु केवल पत्थरों की कतार नहीं, बल्कि सभ्यता की स्मृति है—राम की विजय, सीता के प्रेम और भारतीय समाज की अटल श्रद्धा का प्रतीक। अब प्रश्न यही है कि जब देश की बहुसंख्यक आस्था इसे तीर्थ मानती है, जब पुरातात्विक और वैज्ञानिक संकेत इसके अस्तित्व की पुष्टि करते हैं, तो क्या सरकार को इसमें देर करनी चाहिए? सर्वोच्च न्यायालय का नोटिस इसीलिए अहम है। यह केवल एक पुल को राष्ट्रीय स्मारक बनाने का प्रश्न नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था को मान्यता देने और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा का प्रश्न है। श्रीरामसेतु आज भी समुद्र पर खड़ा है—मानव–निर्मित हो या दिव्य संयोग—वह सत्य की विजय और भक्ति के अदम्य विश्वास का गवाह है। सरकार यदि इसे राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देती है, तो यह न सिर्फ आस्था का सम्मान होगा बल्कि इतिहास और संस्कृति की उस विरासत की रक्षा भी होगी जिसे कोई लहर, कोई विवाद डुबो नहीं सकता।

भाजपा ने मैनेज कर लिया...

उस बार उप राष्ट्रपति के चुनाव में विपक्ष ऊपर से एकजुट रहा। 'इंडिया' ब्लॉक की किसी पार्टी ने ऐलान करके एनडीए के उम्मीदवार का समर्थन नहीं किया। पहले ऐसा होता रहता था। क्षेत्र या किसी और आधार पर पार्टियां गठबंधन से बाहर जाकर राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के चुनाव में वोट करती रही हैं। इस बार ऐसा नहीं हुआ। फिर भी कम से कम 29 वोट इधर उधर हुए हैं। या तो सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की है या उन्होंने जान बूझकर अपना वोट अमान्य कराया है ताकि एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत का अंतर बढ़े। ऐसा नहीं है कि यह अनायास हुआ है। भाजपा ने इसके लिए प्रबंधन किया और भाजपा को पता है कि 'इंडिया' ब्लॉक की किस पार्टी के किस सांसद ने क्रॉस वोट किया और किसने अपना वोट अमान्य कराया। तभी सत्तापक्ष की ओर से चुनाव की कमान संभाल रहे किरेन रिजिजू और एकनाथ शिंदे ने एनडीए का समर्थन करने वाले विपक्षी सांसदों को धन्यवाद कहा। यह जले पर नमक छिड़कना था क्योंकि इसके बाद विपक्षी गठबंधन की पार्टियों में नए सिरे से कलह शुरू हो गई है। तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने कहा है कि सांसदों को करोड़ों रुपए दिए गए एनडीए उम्मीदवार को वोट करने के लिए। यह नया आरोप नहीं है। 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के समय भी ऐसे आरोप सुनने को मिले थे। कहा गया था कि झारखंड में कांग्रेस विधायकों को रुपए दिए गए। जुलाई 2022 के बाद ही कांग्रेस टूटने और हेमंत सोरेन की सरकार गिरने की चर्चा तेज हुई थी। लेकिन यह सही है कि कांग्रेस के कई विधायकों ने राष्ट्रपति की एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को वोट किया। वे झारखंड में सबसे लंबे समय तक करीब छह साल राज्यपाल रही थीं। इसलिए संभव है कि बहुत से सांसदों ने निजी संबंधों के चलते वोट दिया या आदिवासी के नाम पर वोट किया हो। इस बार भी झारखंड के कुछ विधायकों के एनडीए को वोट करने की चर्चा है। ध्यान रहे एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल रहे थे। झारखंड के बाद वे महाराष्ट्र के राज्यपाल बने तभी महाराष्ट्र की दो विपक्षी पार्टियों उद्धव ठाकरे गुट की शिव सेना और शरद पवार गुट की एनसीपी के कुछ सांसदों के उनके पक्ष में वोट करने की चर्चा है। हालांकि दोनों पार्टियां बड़ी दमदारी से इसका विरोध कर रही हैं। सबसे ज्यादा आम आदमी पार्टी के सांसदों के वोट टूटने की चर्चा है। स्वाति मालीवाल के बारे में लगभग सभी आश्वस्त हैं कि उन्होंने एनडीए को वोट किया होगा क्योंकि वे खुल कर अरविंद केजरीवाल का विरोध करती हैं। उनके अलावा पांच और सांसदों के नाम की चर्चा है और कहा जा रहा है कि ये पांचों पंजाब के सांसद हैं। सोचें, पंजाब में आप के छह राज्यसभा और दो लोकसभा सांसद हैं। इनमें से एक संदीप पाठक को छोड़ कर बाकी सात की निष्ठा संदिग्ध बताई जा रही है, जिसमें एक राघव चड्ढा भी हैं। चड्ढा ने कुछ समय पहले फिल्म अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की बहन परिणति चोपड़ा से शादी की है। सपा के एक सांसद के गड़बड़ी करने की चर्चा है। कोई किसी का नाम नहीं ले रहा है लेकिन इशारों में पूछा जा रहा है कि क्या यूं ही अमित शाह ने सपा सांसद राजीव राय को उनके जन्मदिन पर बधाई देने के लिए फोन किया था? बहरहाल, किसने और क्यों क्रॉस वोटिंग की यह अभी राज है लेकिन भाजपा के नेता कभी भी इस राज से पर्दा उठा सकते हैं।

नेतन्याहू का अंतहीन युद्ध!

यह सवाल हर बार और ज़्यादा डरावना हो उठता है- आखिर बेंजामिन नेतन्याहू रूक क्यों नहीं रहे? बमबारी क्यों जारी रखते हैं? क्या वे कभी रुकने का, लड़ाई थामने का इरादा भी रखते हैं? इज़राइल को कितनी राजधानियों को निशाना बनानी है? इससे पहले कि वह खुद से पूछेः आख़िर किस मक़सद के लिए? सात अक्तूबर 2023 के बाद से, जब हमास के हमले ने इज़रायल को लहूलुहान और आक्रोश से भर दिया था, नेतन्याहू ने बिना रुके सेना के अभियान को बढ़ाने का ही रास्ता चुना। ग़ाज़ा, लेबनान, सीरिया, यमन, ईरान और अब क़तर। नेतन्याहू के आगे दुश्मनों का नक्शा स्याही के दाग़ की तरह फैलता जा रहा है। दो साल बाद अब यह सिर्फ़ हमास के साथ युद्ध नहीं रहा। बल्कि पूरे क्षेत्र के साथ युद्ध हो गया है। अब तक इज़राइल का था कि उसकी कार्रवाई असली ख़तरों के ख़िलाफ़ है। 7 अक्तूबर के बाद इराक़, लेबनान, फ़िलिस्तीन, सीरिया और यमन की मिलिशियाएँ उस पर हमला कर चुकी थीं। ईरान ने भी अपने हमले किए। इसे "पूर्व-रक्षा" की भाषा में लपेटा जा सकता था। मगर क़तर पर हमले का ऐसा कोई दावा नहीं है। छोटा-सा अमीरात, जहाँ हमास का राजनीतिक दफ़्तर है, वहीं अमेरिका का सेंट्रल कमांड हेडक्वार्टर भी है। वहा क्यों हमला? दोहा पर हमला न तो पूर्व-रक्षा था, न ही रोकथाम। वह एक संप्रभु राष्ट्र की ज़मीन पर बदले की कार्रवाई थी। और इस बार दुनिया ने ठोस शब्दों में निंदा की है। अमेरिका, इज़राइल का सबसे क़रीबी सहयोगी, बोला कि उसे "बहुत असंतोष" है। क़तर के प्रधानमंत्री ने इसे "आंतकी राज्य" कहा जिसने युद्धविराम और बंधक रिहाई की उम्मीदें तोड़ दीं। तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और यूएई ने अंतरराष्ट्रीय क़ानून और संप्रभुता का उल्लंघन बताया। रूस ने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का "गंभीर उल्लंघन" कहा। फ़्रांस और ब्रिटेन ने चेताया कि यह ख़तरनाक वृद्धि है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह क़तर की क्षेत्रीय अखंडता का खुला उल्लंघन है। और एक दुर्लभ लेकिन अहम कदम में, भारत ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क़तर के अमीर से बात की और दोहा को "भाईचारे वाला राष्ट्र" कहा। मतलब सभी तरफ से संकेत कि इज़राइल ने हद पार कर दी है। दोहा पर हमला कर नेतन्याहू ने न सिर्फ़ रिश्ते बिगाड़े या मध्यस्थों को मारा बल्कि उन्होंने यह भ्रम भी ख़त्म कर दिया कि कभी उनके एजेंडे में कूटनीति थी। मोसाद और उनके अपने जनरलों ने चेताया था कि यह कदम वार्ताओं को चौपट कर देगा, बंधकों को ख़तरे में डालेगा और अमेरिका के खाड़ी साझेदारों को नाराज़ करेगा। लेकिन उन्होंने अनदेखी की। और फिर ठंडी चुनौती के साथ बयान दियाः "हमास नेताओं को कोई शरण नहीं मिलेगी, क़तर में भी नहीं।" उन्होंने और आगे जाकर इज़राइल की कार्रवाई को अमेरिका की 9/11 प्रतिक्रिया से जोड़ा — जबकि उनका ऑपरेशन अपने लक्ष्य तक पहुँचने में विफल रहा। क़तर को चेतायाः "उन्हें निकालो या न्याय के कटघरे में लाओ, वरना हम रूकेंगे नहीं।" उस पल नेतन्याहू ने रणनीति नहीं, बल्कि अपनी निजी सत्ता-बचाव की हकीकत उजागर की थी। उनके लिए यह बेहतर था कि सरकार में मौजूद दक्षिणपंथियों को समझौते से ज़्यादा जिद्दी प्रतिरोध पर खिलाते रहें। शांति की नाज़ुक संभावना से बेहतर है ताक़त के झूठे प्रदर्शन को बनाए रखना। लेकिन इसकी कीमत भारी है। दोहा पर हमले ने ग़ाज़ा में युद्धविराम वार्ताओं को पटरी से उतार दिया है। इज़राइली बंधकों का संकट और गहरा गया। और खाड़ी की राजधानियों में दो डर और पुख़्ता हो गएः कि इज़राइल अब क्षेत्रीय वर्चस्वता वाला बर्ताव कर रहा है, और कि अमेरिका अब उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता। तो हर विस्फोट के साथ पीछा करता सवाल वही हैः नेतन्याहू की कल्पना में जीत कैसी दिखती है? एक ऐसा हमास जिसके नेता न हों? या ऐसा मध्य-पूर्व जो इतना सहमा हो कि उसे पनाह न दे सके? या असल में कोई जीत है ही नहीं — युद्ध ही रणनीति बन चुका है, अस्थिर गठबंधन को जोड़े रखने का गोंद, उस प्रधानमंत्री की ढाल जिसने राजनीतिक पूंजी खो दी है। इतिहास ऐसे नेताओं से भरा है जिन्होंने खोजा कि अंतहीन युद्ध ही राजनीतिक ऑक्सीजन है। असद ने सीरिया में, बुश ने "वार ऑन टेरर" में, पुतिन ने यूक्रेन में। और अब नेतन्याहू भी उसी मंडली में के सदस्य है, जिनके लिए शांति से ज़्यादा डर और अनवरत युद्ध है। युद्ध साधन नहीं बल्कि सत्ता में बने रहने का सिस्टम है। इसलिए असली शायद सवाल यह नहीं है कि नेतन्याहू कब रुकेंगे? बल्कि यह है कि क्या उनका कभी रुकने का इरादा भी है?

-श्रुति व्यास

राफेल, F-16, F-35... रूसी हमले के बाद पोलैंड को बचाने उतरा NATO, ऑपरेशन Eastern Sentry का ऐलान, पुतिन की घेराबंदी

एजेंसी ब्रसेल्स

पोलैंड पर रूसी हमले के बाद नॉर्थ अटलांटिक गठबंधन यानि नाटो ने ऑपरेशन ईस्टर्न सेंट्री शुरू करने की घोषणा की है। नाटो महासचिव मार्क रूटे ने शुक्रवार को घोषणा की है, कि इस हफ्ते पोलिश हवाई क्षेत्र में रूसी ड्रोन के घुसपैठ के बाद नाटो ने यूरोप के पूर्वी हिस्से की रक्षा को मजबूत करने के लिए ऑपरेशन की शुरूआत की है। मार्क रूटे ने कहा है कि "ईस्टर्न सेंट्री" अभियान आने वाले दिनों में शुरू होगा और इसमें डेनमार्क, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और अन्य देशों की सेनाएं शामिल होंगी। उन्होंने आगे कहा कि "ईस्टर्न सेंट्री हमारी स्थिति में लचीलापन और मजबूती लाएगा और यह संदेश देगा कि एक रक्षात्मक गठबंधन के रूप में हम हमेशा अपनी रक्षा के लिए तैयार हैं।" नाटो के प्रमुख मार्क रूटे ने कहा कि बुधवार को रूस का "खतरनाक और अस्वीकार्य" ड्रोन घुसपैठ "कोई अलग घटना नहीं थी।" इस ऑपरेशन के तहत शुरुआत में लड़ाकू विमानों और एक हवाई रक्षा फ्रिगेट की एक साथ तैनात की जाएगी और फिर आर्कटिक और काला सागर के बीच के क्षेत्र को कवर करने के लिए इसका विस्तार करने की योजना है, जिससे संभावित रूसी ड्रोन और मिसाइलों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच बनाया जा सके। इस ऑपरेशन के तहत डेनमार्क 2 एफ-16 फाइटर जेट, एक एंटी-एयर वारफेयर फ्रिगेट, फ्रांस अपने 3 राफेल फाइटर जेट और जर्मनी 4 यूरोफाइटर जेट भेजेगा। दूसरी तरफ नाटो के पूर्वी हिस्से की रक्षा में मदद के लिए इटली और नीदरलैंड ने पहले ही F-35A स्टील्थ फाइटर जेट भेज दिए हैं, जो एस्टोनिया और पोलैंड में तैनात किए गये हैं। NATO के सुप्रीम एलाइड कमांडर यूरोप जनरल एलेक्सस ग्रिनक्विच ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस ऑपरेशन को "फ्लेक्सिबल और एजाइल" अभियान बताया, जिसमें जमीनी और हवाई रक्षा क्षमता, इन्फॉर्मेशन-शेयरिंग और ड्रोन काउंटर

सिस्टम शामिल होंगे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक इस ऑपरेशन को यूके ने भी समर्थन देने का संकेत दिया है और रिपोर्ट्स के मुताबिक 6 टाइफून फाइटर जेट तक भेजे जा सकते हैं। NATO ने साफ कहा है कि यह सिर्फ पोलैंड की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरा पूर्वी फ्लैंक, आर्कटिक से लेकर ब्लैक सी और भूमध्य सागर तक इसके दायरे में आएगा। सीएनएन के मुताबिक पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने रूस की ड्रोन घुसपैठ को "हमला" कहा है। उन्होंने कहा है कि रूसी ड्रोन घुसपैठ यह कोई गलती नहीं थी। पोलैंड के अधिकारियों के मुताबिक, रूस ने 21 ड्रोन हमले लॉन्च किए थे, जिनमें से कुछ बेलारूस से पोलिश सीमा में दाखिल हुए। 16 ड्रोन का मलबा पोलैंड के अंदर कई सौ मील के इलाकों में मिला है, जबकि कुछ ड्रोन बार-बार सीमा पार करते देखे गए।

इस घटना के बाद वारसॉ ने बेलारूस और यूक्रेन सीमा के पास एयरस्पेस बंद कर दिया। पोलैंड ने NATO से आर्टिकल 4 के तहत परामर्श की मांग की, जिसके बाद NATO परिषद ने तुरंत ऑपरेशनल कदम उठाया है। पोलैंड के विदेश मंत्री मार्सिन बोसाकी ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क से चेतावनी देते हुए कहा है कि "इस तरह की उकसावे की कार्रवाई युद्ध को खत्म करने और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार शांति और स्थिरता बहाल करने के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामूहिक और अथक प्रयासों का अपमान है। इसके अलावा फ्रांस ने भी रूस को लेकर सख्त रुख दिखाया है और फ्रांसीसी विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने पेरिस में रूसी राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। हालांकि, रूस के यूएन प्रतिनिधि वासिली नेबेंज्या ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस्तेमाल किए गए ड्रोन की रेंज 700 किलोमीटर से ज्यादा नहीं थी, इसलिए वे पोलैंड तक पहुंच ही नहीं सकते थे। NATO महासचिव मार्क रूटे ने दो टूक कहा है कि चाहे रूस की यह कार्रवाई जानबूझकर की गई हो या गलती से, उसने NATO की हवाई सीमा का उल्लंघन किया है और इसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि "हमने रोमानिया, एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया में भी ऐसी घटनाएं देखी हैं। रूस की लापरवाही लगातार बढ़ रही है और यह बिल्कुल अस्वीकार्य है।"

चीन, रूस, US को हैरान करते हुए भारत के दोस्त ने रचा इतिहास, समुद्र में रेलगन फायरिंग करने वाला पहला देश बना

एजेंसी टोक्यो

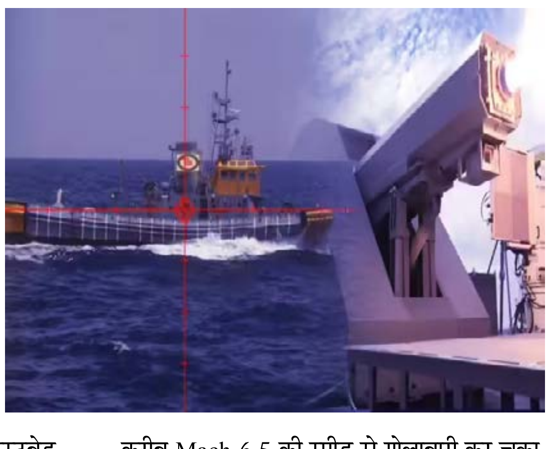

भारत के दोस्त जापान ने अमेरिका, रूस और चीन को हैरान करते हुए समुद्र में रेलगन का टेस्ट कर इतिहास रच दिया है। इस टेस्ट के साथ ही टोक्यो, इस प्रतिष्ठित तकनीक को इस्तेमाल करने वाला पहला देश बनने के और करीब पहुंच गया है। जापान की एक्वीजिशन टेक्नोलॉजी एंड लॉजिस्टिक एजेंसी (ATLA) ने घोषणा की है, यह टेस्ट जून से जुलाई 2025 के बीच JS असुका नाम के टेस्ट जहाज से किया गया है। इस 6,200 टन वजनी विस्थापन वाले टेस्टबेड पर रेलगन स्थापित किया गया था, जो युद्धपोत जैसी डिजाइन वाला है। परीक्षण में समुद्री लक्ष्य पर गोलाबारी की गई और ATLA ने इसका फोटो भी जारी किया है, जिसमें टर्रेट और फायर कंट्रोल रडार दिखाई दे रहे हैं। यह जापान की लगभग एक दशक पुरानी रेलगन परियोजना में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। ATLA ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि "एटीएलए ने जापान समुद्री आत्मरक्षा बल के सहयोग से इस साल जून से जुलाई की शुरुआत तक जहाज पर रेलगन शूटिंग टेस्ट किया है। यह पहली बार है जब जहाज पर लगे रेलगन को किसी असली जहाज पर सफलतापूर्वक दागा गया।" टीएलए ने 2023 में जेएस असुका से दुनिया की पहली रेलगन फायरिंग की है। ये टेस्ट एक काल्पनिक कहानी जैसा लगता है, जिसके लिए करीब 10 साल पहले काम शुरू हुआ था। ATLA के मुताबिक इस टेस्ट के दौरान मध्यम-कैलिबर, टर्रेट-माउंटेड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेलगन का इस्तेमाल किया गया है, जिसका वजन लगभग 8–9 टन है। पहले के परीक्षणों में यह प्रोटोटाइप करीब Mach 6.5 की स्पीड से गोलाबारी कर चुका है, जबकि 5 मेगाजूल ऊर्जा का उपयोग हुआ था। ATLA का लक्ष्य इसे 20 मेगाजूल तक बढ़ाना है, जिससे गोलाबारी की रेंज 150 किलोमीटर से ज्यादा हो सकती है और यह भारी प्रोजेक्टाइल या उच्च काइनेटिक इम्पैक्ट के लिए सक्षम होगा। यह तकनीक विशेष रूप से हाइपरसोनिक मिसाइल इंटरसेप्शन और एंटी-शिप मिशनों के लिए बनाई जा रही है। रेलगन की खासियत यह है कि यह बारूद की बजाय इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फोर्स से प्रोजेक्टाइल को हाइपरसोनिक गति से लक्ष्य पर हमला करने के लिए भेजता है। इसकी वजह से गोलाबारी बेहद सटीक और शक्तिशाली होती है। हालांकि, इस तकनीक के कई तकनीकी मुद्दे हैं जैसे हाई एनर्जी की आवश्यकता, बैरल की गर्मी और घर्षण से क्षति, और लगातार फायरिंग के दौरान मैग्नेटिक तनाव। जापान ने इन चुनौतियों को पार करने के लिए खासा काम किया है और JS Asuka पर लगातार परीक्षण इसे और ज्यादा स्थिर और ऑपरेशन के काबिल बनाता है। इस टेस्ट से जापान अब हाइपरसोनिक मिसाइलों को भी इंटरसेप्ट कर सकता है।

तीसरे विश्व युद्ध की आहट! रूसी ड्रोन हमले के बाद पोलैंड में नाटो का आर्टिकल-4 लागू, क्या पूरे यूरोप में फैलेगी लड़ाई

एजेंसी वारसा

पोलैंड ने कहा है कि 9 और 10 सितंबर की रात को 19 रूसी ड्रोन उसके हवाई क्षेत्र में आ गए थे। पोलैंड ने कहा कि उसकी आर्मी ने रूसी ड्रोनों को मार गिराया गया क्योंकि उन्होंने देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इस घटना से पोलैंड को अपना हवाई क्षेत्र बंद करते हुए नागरिकों को अलर्ट देना पड़ा। पोलैंड के अधिकारियों ने कई ड्रोन विमानों का मलबा बरामद किया है। इस घटना के बाद नाटो सदस्य पोलैंड में गुस्सा देखा जा रहा है। उसके आर्टिकल-4 की घोषणा ने विश्व युद्ध जैसी स्थिति की आशंका पैदा की है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने रूसी हमले के खिलाफ नाटो के आर्टिकल 4 का प्रयोग करने की बात कही है। टस्क ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उकसावे की कार्रवाई पिछली सीमाओं से आगे निकल गई है। पोलैंड के लिए पहले की सभी घटनाओं की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक है। ऐसे में सभी संभावित कदम उठाए जाएंगे। नाटो का आर्टिकल 4 परामर्श प्रक्रिया के बारे में है। यह परामर्श प्रक्रिया नाटो के सदस्य देशों की ओर से यह आकलन करने के लिए की जाती है कि क्या उनमें से किसी पर खतरा है। इसमें संभावित खतरे की प्रकृति और नाटो सदस्यों की ओर से उसका मुकाबला करने के

तरीके पर चर्चा होती है। इसके बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाता है। नाटो के आर्टिकल 5 किसी सदस्य देश पर हमले की स्थिति में नाटो की ओर से उसे सैन्य सहायता प्रदान करने को संदर्भित करता है। ऐसे में दोनों अनुच्छेद 4 के बाद 5 लागू होने का मतलब युद्ध की शुरुआत है। पोलैंड के आर्टिकल 4 का इस्तेमाल करने से युद्ध की आहट आई है, हालांकि अभी आर्टिकल-5 पर चर्चा नहीं है। पोलैंड की ओर से आर्टिकल-4 के इस्तेमाल से विश्व युद्ध की चर्चा हो रही है। इसकी एक बड़ी वजह है। दरअसल पिछली बार अनुच्छेद 4 का इस्तेमाल बुल्गारिया, चेक गणराज्य, रोमानिया, स्लोवाकिया, एस्टोनिया, पोलैंड, लातविया और लिथुआनिया ने रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद किया था। हालांकि इसका कोई नतीजा नहीं निकला क्योंकि यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की तुलना में पोलैंड पर हमले की स्थिति अलग है। इसकी वजह यह है कि पोलैंड नाटो का सदस्य है। अनुच्छेद 4 के बाद अनुच्छेद 5 लागू हो सकता है अगर रूस पोलैंड पर सैन्य आक्रमण करेगा। रूसी आक्रमण सभी नाटो सदस्यों को जंग में उतरने के लिए प्रेरित कर सकता है। इससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ रही है।

सिंधु जल संधि रद्द करने के गंभीर नतीजे होंगे... भारत के एक्शन से खौफ में पाकिस्तान, संयुक्त राष्ट्र तक पहुंचा, दी गीदड़भभकी

एजेंसी इस्लामाबाद

भारत के सिंधु जल संधि (IWT) को स्थगित करने के फैसले पर पाकिस्तान की चिंता बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान मिशन के कार्यक्रम में सिंधु जल संधि (IWT) पर चर्चा की गई है। पाकिस्तान के वक्ताओं ने इस दौरान कहा कि भारत ने एकतरफा इस संधि को स्थगित किया। ऐसा करते हुए भारत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को दरकिनार किया है, जो गंभीर चिंता पैदा करता है। इस दौरान पाकिस्तान की ओर से संधि तोड़ने पर गंभीर नतीजे होने की बात कही गई। शुक्रवार को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र स्थायी मिशन और मुस्लिम-अमेरिकी नेतृत्व गठबंधन ने कार्यक्रम किया। कार्यक्रम का विषय 'सिंधु जल संधि और पाकिस्तान का जल संकटः चुनौतियां और आगे का रास्ता' था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भारत के कदम को अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करार दिया। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत उस्मान जादून ने अपने भाषण में भारत को गीदड़भभकी दी। उन्होंने कहा कि सिंधु संधि को कमजोर करने के गंभीर मानवीय परिणाम होंगे। जादून ने कहा कि महत्वपूर्ण डेटा साझा करने से इनकार करने से खाद्य असुरक्षा और विस्थापन बढ़ेगा। इससे महिलाओं, बच्चों और गरीबों के लिए मुश्किल पैदा होगी। कार्यक्रम में राजदूत अहमद ने भारत पर पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से क्षेत्रीय शांति और स्थिरता खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि पानी को राजनीतिक लाभ के साधन के रूप में इस्तेमाल करना लोगों को उनके सबसे मौलिक मानवाधिकार से वंचित करना है। भारत को ऐसा कदम उठाने से बचना चाहिए। भारत ने अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु संधि से हटने का ऐलान किया था। भारत ने पाकिस्ता जाने वाला पानी रोकने की बात कही है। इस पर पाकिस्तान ने कड़ा रुख दिखाते हुए कहा है कि अगर भारत ने पानी रोका तो वह इसे जंग का ऐलान मानेगा। पाकिस्तान का कहना है कि पानी रोकने के मतलब लाखों लोगों की जिंदगी को खतरे में डालना है। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन में एससीओ समिट के दौरान भी यह मुद्दा उठाया था। इस कार्यक्रम में भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे। पाकिस्तान का दावा है कि सिंधु समझौते की शर्तों के हिसाब से कोई एक पक्ष को इस समझौते को एकतरफा निलंबित या रद्द नहीं कर सकता है। ऐसे में भारत का कदम ठीक नहीं है। दूसरी ओर भारत अपने रुख पर अभी तक अडिग दिखा है।

सैनिकों पर हमले के बाद पाक आर्मी का 35 आतंकी मार गिराने का दावा, अफगानिस्तान सरकार को बताया 'गुनाहगार'

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान में टीटीपी के हमले में शनिवार को 12 पाक सैनिकों की मौत हुई है। दक्षिणी वजीरिस्तान की बादर घाटी में सैन्य काफिले पर यह हमला किया गया। वहीं पाक फौज ने 35 कथित आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। पाक सेना की मीडिया विंग ने बताया है कि 10 से 13 सितंबर के बीच खैबर-पख्तूनख्वा में चलाए गए दो अलग-अलग खुफिया अभियानों में 35 आतंकवादी मारे गए, वहीं 12 सैनिकों की मौत हुई। पाक सेना ने अपने बयान में कहा है कि खुफिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि हमलों में अफगान नागरिक शामिल थे। पाकिस्तान के खिलाफ अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। पाकिस्तान तालिबान सरकार से उम्मीद करता है कि वह आतंकवादी गतिविधियों के लिए अपनी धरती के इस्तेमाल को रोकेगी। पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान

का जिक्र काबुल से उसके रिश्ते को तनावपूर्ण बना सकता है। खैबर-पख्तूनख्वा के वजीरिस्तान में 12 सैनकों की मौत पर पाक पीएम और राष्ट्रपति ने दुख जताया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा कि हमारे सैनिकों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने काबुल से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ ना हो। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बाजौर और दक्षिणी वजीरिस्तान में 35 आतंकवादियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पूरा देश उन सुरक्षा बलों को सलाम करता है, जो आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में चट्टान की तरह डटे रहे हैं। पूरा देश ऐसे सैनिकों के साथ खड़ा है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी 'समय पर और पेशेवर कार्रवाई' के लिए सेना की तारीफ की है। पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान में हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी तालिबान (TTP) ने ली है। समूह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने हमले के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों से हथियार भी छीने हैं। यह हमला क्षेत्र में बढ़ती असुरक्षा की चिंता को और बढ़ा रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने नागरिकों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने की अपील की है।

धरती पर कहीं भी हमला कर सकती है चीन की परमाणु मिसाइल DF-5C, 10 वॉरहेड ले जाने की क्षमता, एटमी जंग में गेमचेंजर

एजेंसी बीजिंग

चीन ने इस महीने की शुरूआत में मिलिट्री डे परेड के दौरान दुनिया की सबसे विनाशक मिसाइल DF-5C का प्रदर्शन किया है। ये मिसाइल दुनिया में किसी भी जगह हमला करने में सक्षम है। ये एक लिक्विड फ्यूल इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यानी ICBM है, जिसे DF-5C के नाम से जाना जाता है। चीनी अधिकारियों ने जोर देकर कहा है कि यह "हमेशा सतर्क रहेगी और दुनिया में कहीं भी हमला करने में सक्षम है"। आपको बता दें कि लिक्विड-ईंधन वाले रॉकेटों की रेंज लंबी होती है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी दिक्कत ये रही है कि इसमें ईंधन भरने में समय लगता है और ईंधन भरने के बाद उन्हें लंबे समय तक रखा नहीं किया जा सकता। अमेरिका के पास मिनटमैन III जैसी ठोस-ईंधन वाली मिसाइल है, जिसे लंबे समय तक रखा जा सकता है। लेकिन डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि DF-5C ने कमियों को दूर कर लिया है। DF-5C मिसाइल के नोजल्स पर सिलिकॉन या कंपोजिट रबर जैसी नई सामग्री लगाई गई है, जो संकेत देती है कि यह मिसाइल लंबे समय तक तैयार-टू-लॉन्च स्थिति में रखी जा सकती है। साउथ चायना मॉर्निंग पोस्ट ने बीजिंग के एक डिफेंस एक्सपर्ट के हवाले से नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा है कि "इसके रॉकेट नोजल स्पष्ट रूप से झिल्ली जैसी सामग्री से सुरक्षित हैं, जिसका मतलब ये है कि ये अपने पूर्ववर्ती DF-5B मिसाइल का एडवांस वैरिएंट है। यह ईंधन भंडारण टेक्नोलॉजी में चीन की तरफ से किए गये बड़े डेवलपमेंट को दिखाता है। यानि चीन अपने इस मिसाइल को कभी भी और कहीं भी लॉन्च कर सकता है। चीनी एक्सपर्ट ने कहा कि अतीत में अमेरिकी एक्सपर्ट्स ने इसपर सवाल उठाए थे, लेकिन अब उनके शक दूर हो गये होंगे। चीनी एक्सपर्ट ने कहा कि लिक्विड-फ्यूल मिसाइलों का सबसे बड़ा फायदा है, उनकी भारी पेलोड क्षमता और अत्यधिक रेंज। DF-5C मिसाइल, पारंपरिक सॉलिड-फ्यूल ICBM की तुलना में एक बार में ज्यादा संख्या में वारहेड या कई MIRVs (Multiple Independently Targetable Re-entry Vehicles) ले जा सकते हैं। माना जा रहा है कि यह मिसाइल एक बार में 10 वारहेड तक ले जाने की क्षमता रखती है, जबकि अमेरिका के मिनटमैन-III ICBM सिर्फ 3 MIRVs तक ले जा सकते हैं। हालांकि, लिक्विड प्रोपेलेंट्स जैसे हाइड्राजीन और नाइट्रोजन टेट्रॉक्साइड बेहद जहरीले और अस्थिर होते हैं, जिससे उनका फ्यूलिंग प्रोसेस काफी मुश्किल और खतरनाक बन जाता है। DF-5C के नये डिजाइन से पता चलता है की चीन ने इन समस्याओं को दूर कर लिया है। साउथ चायना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, DF-5C की मारक क्षमता 20,000 किलोमीटर से भी ज्यादा मानी जा रही है, यानी ये मिसाइल पृथ्वी पर किसी भी हिस्से को टारगेट कर सकता है। इसके मुकाबले, रूस का सर्मत (Sarmat) ICBM मिसाइल और अमेरिका का मिनटमैन-III तकनीकी रूप से मजबूत हैं, लेकिन चीन का DF-5C उन्हें सीधी चुनौती देता है। यह मिसाइल न सिर्फ लंबे समय तक ईंधन भरी अवस्था में सुरक्षित रह सकती है, बल्कि अपने भारी पेलोड और आधुनिक नोजल टेक्नोलॉजी की वजह से चीन को एक वैश्विक न्यूक्लियर स्ट्राइक क्षमता देता है।

एशिया कप मैच से पहले पाकिस्तान में खौफ का दूसरा नाम ये भारतीय, छक्के से खोल चुका है खाता, लुक में हीरो भी फेल

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम ने यूएई के खिलाफ 9 विकेट से धमाकेदार जीत हासिल की। टीम इंडिया का दूसरा मैच पाकिस्तान के खिलाफ है। भारत और पाकिस्तान के बीच ये मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया के पहले मैच की बात करें तो सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने यूएई को पहले 57 रन के स्कोर पर समेट दिया था। इसके बाद सिर्फ 27 गेंद में टीम इंडिया ने मैच को जीत लिया। भारतीय टीम ने जिस तरह से मुकाबले को अपने नाम किया उसे देख पाकिस्तानी टीम में एक खौफ का माहौल है। खास तौर से टीम इंडिया के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा से पाकिस्तानी खेमे में डर का माहौल है। यही कारण है कि पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर अभिषेक को सलमान आगा की टीम के लिए खतरा मान रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं किस-किस ने अभिषेक के खेल पर रिएक्ट किया है। वसीम अकरम ने एशिया कप में कमेंट्री कर रहे हैं। यूएई के खिलाफ मैच में अभिषेक शर्मा ने जिस तरह से सिक्स के साथ अपना खाता खोला था, उसे देखकर वह अचंभित हो गए। अभिषेक शर्मा की बैटिंग को देख कर वसीम अकरम ने कहा, 'मैंने टी20 में ऐसा पहले कभी नहीं देखा था।' वसीम अकरम ने अभिषेक की तुलना शाहिद अफरीदी की। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर भी अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी से हैरान थे। उन्होंने कहा, 'भारत एक कंप्लीट टीम है। ये एक ऐसी टीम है जो किसी भी मुश्किल पिच या परिस्थिति में जीतना जानती है।' अभिषेक शर्मा को लेकर शोएब अख्तर का मानना है कि वह भारत का फ्यूचर स्टार है और आने वाले सालों में वह कमाल करेंगे। उन्होंने कहा, 'वह खुश हैं कि वह इस युग में पैदा नहीं हुए क्योंकि आज के समय में जिस तरह से विस्फोटक बैटिंग हो रही है उसका सामना करना मेरे लिए मुश्किल होता।' पूर्व कप्तान शोएब मलिक अभिषेक की बैटिंग को देख पाकिस्तान क्रिकेट पर सवाल खड़ा किए। मलिक का मानना है कि, 'भारत में खिलाड़ियों को समय दिया जाता है खुद को साबित करने के लिए जो कि पाकिस्तान में नहीं है। अभिषेक की सफलता इसी का नतीजा है। पाकिस्तान में खिलाड़ियों को पता ही नहीं होता है कि वह 2 मैच के बाद टीम में रहेंगे या फिर नहीं। ऐसे में कैसे आप अभिषेक जैसे प्लेयर तैयार कर पाएंगे।'

दुबई में बल्लेबाजों का चलेगा जादू या गेंदबाजों की बोलेगी तूती ? पढ़ें भारत-पाकिस्तान के मैच की पिच रिपोर्ट

एजेंसी दुबई

सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ यहां होने वाले मुकाबले में प्रबल दावेदार होगी और दिलचस्प बात है कि पिछले कुछ महीनों में सीमा पर बढ़े तनाव के बावजूद इस मुकाबले को लेकर किसी तरह की 'हाइप' नहीं है। चार महीने बाद भारत में टी20 विश्व कप को देखते हुए मुकाबला महत्वपूर्ण है। लेकिन कई साल में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच में उस तरह के उत्साह का अभाव है जो दोनों देशों के बीच मैच में अक्सर होता है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच गेंदबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। स्पिनर्स का यहां दबदबा देखने को मिलता है। स्पिनर्स इस पिच पर बल्लेबाजों के लिए काल बन सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाज भी इस पिच पर कारगर साबित हो सकते हैं। अब तक एशिया कप में इस पिच पर तेज गेंदबाजों को ठीक-ठाक मदद मिली है। बल्लेबाज अगर

इस मैदान में एक बार सेट हो गए तो जमकर रन बना सकते हैं। दुबई में बल्ले और गेंद के बीच अच्छा कॉन्टेस्ट देखने को मिल सकता है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में अब तक कुल 112 टी20 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 52 पहले बैटिंग करने वाली टीम तो 59 मुकाबले दूसरी बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं। पहली पारी का औसत स्कोर दुबई में 139 रन है। हाइएस्ट स्कोर इस मैदान पर भारत ने ही 2022 में अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप में बनाया था। भारत ने 2 विकेट के नुकसान पर 212 रन बनाए थे।

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।

पाकिस्तानः फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, साइम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

सूर्यकुमार यादव को पाकिस्तान के खिलाफ क्या हो जाता है... मैच से पहले ही टेंशन, आंकड़े दे रहे गवाही

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान की टीमें 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले में सबकी निगाहें भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर टिकी होंगी। टी20 क्रिकेट में सूर्या एक बड़ा नाम हैं और वे पाकिस्तान की टीम पर अकेले ही भारी पड़ सकते हैं। लेकिन इससे पहले ये जान लेना जरूरी है कि सूर्या का प्रदर्शन टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ कैसा रहता है। सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ अब तक 5 टी20 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने 12.8 की औसत से 64 रन बनाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका उच्चतम स्कोर 18 रन है। वे पाकिस्तान के खिलाफ कुछ खास नहीं कर पाए हैं लेकिन वे आगामी एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे होंगे। सूर्यकुमार यादव का टी20आई करियर शानदार

रहा है। उन्होंने 84 टी20आई मैचों में 38.3 की औसत से 2605 रन बनाए हैं। वे टी20 के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। भारतीय टीम इस वक्त टी20 वर्ल्ड कप की चैंपियन है और सूर्यकुमार यादव चाहेंगे कि वे टीम को आगे लेकर जाएं और एशिया कप 2025 भी जीतें। एशिया कप 2025 के हाईवोल्टेज मुकाबले में अब भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से टकराएगी। एशिया कप में अबतक दोनों टीमें एक-एक मैच खेल चुकी हैं। टीम इंडिया ने जहां पहले मैच में यूएई की टीम को मात दी, वहीं पाकिस्तान की टीम ने ओमान को 93 रनों से हराकर शुरुआत की। अब रविवार को जो भी टीम बाजी मारेगी उसका सुपर 4 में जाना पक्का हो जाएगा।

BCCI के कई अधिकारियों ने किया भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध... मैच देखने नहीं जाएंगी ये हस्तियां, लिया बड़ा फैसला

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर इस बार उतना ज्यादा हाइप नहीं है। आमतौर पर जब दुनिया के किसी भी मैदान में यह मैच होता है स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा होता है। लेकिन इस बार एशिया कप में होने वाले इस मैच को लेकर माहौल थोड़ा अलग है। भारत में इस मैच के बहिष्कार की मांग उठ रही है। लोग बीसीसीआई के इस फैसले से नाखुश हैं कि उसने देश में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी पाकिस्तान के साथ मैच खेलने का फैसला किया है। लोग सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। अब बीसीसीआई के कई बड़े अधिकारी भी इस मैच से दूरी बना रहे हैं। दरअसल, जब से एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी हुआ है तभी से भारत में गुस्सा है। लोग सोशल मीडिया पर बीसीसीआई को खरी-खोटी सुना रहे हैं। लोगों को उम्मीद थी कि बीसीसीआई पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगा। उन्हें लग रहा था कि बीसीसीसाई बहु-पक्षीय आयोजनों में भी पाकिस्तान के साथ मैच खेलने से इनकार कर देगा। हालांकि भारत सरकार ने एक नीति जारी की थी। इस नीति के अनुसार भारतीय टीम बहु-पक्षीय आयोजनों में पाकिस्तान के साथ खेल सकती है। लेकिन ऐसा लगता है कि BCCI ने सोशल मीडिया पर चल रहे बहिष्कार अभियान को गंभीरता से लिया है। दैनिक जागरण में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के ज्यादातर अधिकारियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले ग्रुप ए मैच से दूरी बनाने का फैसला किया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बीसीसीआई का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी अभी तक दुबई नहीं पहुंचा है। जबकि जब चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान का मैच दुबई में हुआ था तब बीसीसीआई के सभी शीर्ष अधिकारी वहां मौजूद थे। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल , कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया और संयुक्त सचिव रोहन देसाई इस मैच के लिए दुबई नहीं जाएंगे। यह मैच 14 सितंबर को खेला जाएगा। हालांकि, बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव शुक्ला के मैच में शामिल होने की संभावना है। वे एशियाई क्रिकेट परिषद के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य भी हैं। इसलिए उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे मैच देखने के लिए दुबई जाएंगे।

व्यापार

भारत से डील, टैरिफ और चीन... क्या अमेरिका अपने बुने जाल में उलझ गया है ट्रंप पूरी तरह कन्फ्यूज

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को लेकर पूरी तरह कन्फ्यूज हैं। उनकी नीतियों में साफ विरोधाभास दिखता है। एक तरफ वह भारत के साथ ट्रेड डील करके व्यापार बढ़ाने की बात करते हैं। वहीं, दूसरी ओर भारत पर 100% टैरिफ लगाने की कहानी चल पड़ती है। ऐसा दिखने लगा है कि ट्रंप ने टैरिफ का जो जाल बुना था, उसमें वह खुद उलझकर रह गया है। चीन और भारत ने दुनिया को अमेरिका के चंगुल से निकलने का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि, समझने की यह जरूरत है कि सुपरपावर अमेरिका की रणनीति इतने पसोपेश में कैसे है। अमेरिका रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के लिए अपने जी7 सहयोगियों पर दबाव बनाने लगा है। भारत इस मामले में सीधे तौर पर निशाने पर है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने जी7 देशों के वित्त मंत्रियों के साथ बात की है। उन्होंने कहा कि जो देश रूस से तेल खरीद रहे हैं, उन पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। अमेरिका का कहना है कि रूस को मिलने वाले पैसे को रोकना जरूरी है। तभी यूक्रेन में युद्ध खत्म हो सकता है। चीन और भारत से आने वाले सामानों पर भी टैरिफ लगाने की बात कही गई है। भारत रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। इससे दुनिया भर में तेल की कीमतें स्थिर हैं। लेकिन, अमेरिका इससे खुश नहीं

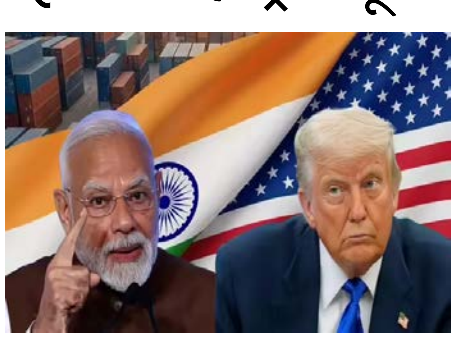

है। ट्रंप भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ को दोगुना कर चुके हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत रुक गई थी। हालांकि, भारत का रुख देखकर हाल में ट्रंप के तेवर ढीले पड़ गए थे। उन्होंने भारत के साथ जल्द व्यापार समझौता होने की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी दोस्ती का हवाला भी दिया।यह साफ तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की भारत के प्रति नीति में विरोधाभास को दिखाता है। एक तरफ तो वह भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं। लेकिन, दूसरी तरफ भारत पर 100% तक टैरिफ लगाने की बात भी कर रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ट्रंप ऐसा क्यों कर रहे हैं? ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति इसका एक बड़ा कारण है। 'अमेरिका फर्स्ट' का मतलब है कि ट्रंप हर चीज में अमेरिका को सबसे पहले रखना चाहते हैं। उनका मानना है कि अमेरिका को दूसरे देशों के साथ व्यापार में नुकसान हो रहा है। वह इस नुकसान को खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप का कहना है कि भारत जैसे देश अमेरिकी सामानों पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं। जबकि भारत से अमेरिका में आने वाले सामानों पर कम टैक्स लगता है। ट्रंप टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। वह इसका इस्तेमाल व्यापार में हो रहे नुकसान को ठीक करने के लिए करना चाहते हैं। वह भारत पर दबाव डालना चाहते हैं कि वह अमेरिका के साथ व्यापार के लिए बेहतर समझौता करे। लेकिन, अब तक भारत ने उनकी मंशा को पूरा नहीं होने दिया है। ट्रंप की अपेक्षा के उलट भारत ने अमेरिका के साथ कड़ा रुख अख्तियार किया है। उसने रूस से तेल खरीदना जारी रखा है। उसका कहना है कि यह पूरी तरह से कानूनी है। चीन के साथ भारत के रिश्तों का सुधरना भी अमेरकि के लिए बड़ी चोट है। क्षेत्र में चीन के प्रभाव को सर्फि भारत ही कंट्रोल में कर सकता है। ट्रंप और उनका प्रशासन लगातार कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल खरीदकर रूस की 'युद्ध मशीन' को पैसा दे रहा है। ट्रंप जी7 देशों से भारत और चीन पर टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं। जी7 दुनिया के सात सबसे अमीर देशों का समूह है। ट्रंप का मानना है कि ऐसा करने से भारत पर दबाव बनेगा। यह कदम व्यापार से ज्यादा भू-राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति है।

चुपके से हो रहे ये दो बड़े बदलाव, आपकी मौज ही मौज, कब होने वाला है डबल धमाका

एजेंसी नई दिल्ली

नवंबर में टैक्सपेयर्स के लिए दो बड़े बदलाव होने वाले हैं। जीएसटी रेट में कटौती की खबरों के बीच ये बदलाव चुपचाप हो जाएंगे। पहला, इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर में तेजी से रिफंड मिलेगा। दूसरा, रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। ये बदलाव वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट और नियमों का पालन करने में मददगार होंगे। इनसे अर्थव्यवस्था को जबरदस्त फायदा मिलने की उम्मीद है। 1 नवंबर, 2025 से इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर वाले टैक्सपेयर्स को 90% तक रिफंड मिल जाएगा। इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर का मतलब है, जब इनपुट जीएसटी आउटपुट जीएसटी से ज्यादा होता है। रिफंड रिस्क प्रोफाइल के आधार पर मिलेगा। बाकी 10% वेरिफिकेशन के बाद मिलेगा। अधिकारियों को रिफंड रोकने के लिए खास वजह बतानी होगी। अभी रिफंड में ज्यादा समय लगता है और मैनुअल जांच होती है। जीएसटी रजस्ट्रिेशन होगा आसान सोलर लैंप

बनाने वाली कंपनी का उदाहरण लेते हैं। मान लीजिए इनपुट जीएसटी 3,840 रुपये है और आउटपुट जीएसटी 2,000 रुपये है। ऐसे में 1,840 रुपये का आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) बच जाता है। नए नियम के अनुसार, 1,656 रुपये (90%) तुरंत रिफंड हो जाएगा। इससे कैश फ्लो बेहतर होगा। एक और बदलाव से छोटे कारोबारों के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन आसान हो जाएगा। जिन कंपनियों का B2B आउटपुट टैक्स 2.5 लाख रुपये से कम है, उन्हें 3 दिन में ऑटोमैटिक रजिस्ट्रेशन मिल जाएगा। ऐसे आवेदकों के लिए मैनुअल जांच और साइट विजिट नहीं होगी। सरकार का अनुमान है कि 96% नए रजिस्ट्रेशन इसी कैटेगरी में आएंगे। नई प्रक्रिया में ऑप्ट-इन और ऑप्ट-आउट का विकल्प भी होगा। इससे स्टार्टअप और एमएसएमई को जल्दी रजिस्ट्रेशन कराने में मदद मिलेगी। टैक्सबडी डॉट कॉम के संस्थापक सुजीत बांगर ने लिंक्डइन पोस्ट में इन बदलावों को 'गेम-चेंजिंग' बताया है। उन्होंने कहा कि इससे वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट आसान होगा और नियमों का पालन करना भी आसान होगा। बांगर ने कहा, 'ये बदलाव शायद सुर्खियां न बनें, लेकिन ये बैलेंस शीट को आसान बना देंगे।' इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर का मतलब है कि जब आप सामान खरीदते हैं तो ज्यादा टैक्स देते हैं। लेकिन, जब बेचते हैं तो कम टैक्स मिलता है। इससे टैक्स का कुछ पैसा सरकार के पास फंसा रह जाता है। नया नियम इस पैसे को जल्दी वापस दिलाने में मदद करेगा। पहले रिफंड के लिए बहुत सारे कागजात जमा करने पड़ते थे। अधिकारियों को जांच करने में भी बहुत समय लगता था। अब 90% रिफंड जल्दी मिल जाएगा, जिससे कारोबारियों को राहत मिलेगी।

अमेरिका से तनाव बीच क्यों नहीं मिल रहा इनका साथ ? भारत की रफ्तार और जीएसटी बदलाव भी बेअसर

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिका से तनाव के बीच भारतीय बाजारों को विदेशी निवेशकों के साथ का इंतजार रहा है। लेकिन, इन्होंने अब तक मुंह मोड़कर रखा हुआ है। यह तब है जब भारत दुनिया की सबसे तेजी से दौड़ती अर्थव्यवस्था है। हाल में हुए जीएसटी सुधारों से इसमें और तेजी आने की संभावना है। सितंबर में अब तक विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजार में 10,782 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। यह और बात है कि इस दौरान एनएसई निफ्टी लगातार आठ दिनों से मजबूत बना हुआ है। कुछ जानकारों का मानना है कि भारत में शेयरों के ऊंचे दाम और सेबी की ओर से नियमों में ढील देने से बाजार में बदलाव आ सकता है। साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले का भी इस पर असर पड़ेगा। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। लेकिन, विदेशी निवेश उम्मीद के मुताबिक नहीं आ रहा है। 2021 से 2024 के बीच भारत की जीडीपी में औसतन 8.2% की बढ़ोतरी हुई है। यह वियतनाम, चीन और कई अन्य देशों से ज्यादा है। 2025 में भी यह रफ्तार बनी हुई है। हालांकि, एफपीआई भारत में ज्यादा निवेश नहीं कर रहे हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, इसके कई कारण हैं। दरअसल, पहले किए गए निवेश से निवेशक अब मुनाफा कमा रहे हैं, व्यापार घाटा बढ़ रहा है, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की चिंताएं भी हैं। सरकार अब सुधार करने की कोशिश कर रही है ताकि विदेशी निवेश को आकर्षित किया जा सके। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, 2021 से 2024 के दौरान भारत की जीडीपी में हर साल औसतन 8.2% की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में वियतनाम में 5.8%, चीन में 5.5%, मलेशिया में 5.2%, इंडोनेशिया में 4.8%, ब्रिटेन में 3.7%, अमेरिका, ब्राजील और मैक्सिको में 3.6%, अर्जेंटीना में 3.1%, यूरोपीय संघ (ईयू) में 2.8%, थाईलैंड में 2.2% और जापान में 1.3% की बढ़ोतरी हुई। नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च और अप्रैल-जून 2025 में 7.4% और 7.8% की जीडीपी ग्रोथ दर्ज की।

इंदिरा एकादशी पर शिवलिंग पर चढ़ाएं ये चीजें, भोलेनाथ दूर करेंगे हर संकट

हिंदू धर्म में एकादशी का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु जी कृपा प्राप्त करने के लिए साधक व्रत और पूजा-अर्चना करते हैं। पंचांग के अनुसार आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को इंदिरा एकादशी के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि इस दिन श्री विष्णु जी की पूजा और व्रत करने से व्यक्ति के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही एकादशी के भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो व्यक्ति शिवलिंग पर इन चीजों को अर्पित करता है उसके रुके हुए सारे कार्य पूर्ण होने लगते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि का प्रारंभ 16 सितंबर को रात 12 बजकर 23 मिनट पर होगा और 17 तारीख की रात में 11 बजकर 40 मिनट तक एकादशी तिथि रहने वाली है। शास्त्रों के अनुसार, एकादशी व्रत उस तिथि पर किया जाता है जिस दिन सुबह से समय एकादशी तिथि रहती है। इसीलिए 17 सितंबर को ही एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

- इंद्रिरा एकादशी के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करें। जीवन के दुख और संकट को दूर करने के लिए यह दिन सबसे खास है। इस दिन आप सच्चे मन से शिवलिंग पर 21 बेलपत्र चढ़ाएं। भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें। इसके साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से जीवन में चल रही हैं तमाम बांधाएं दूर हो जाती है। इसके साथ ही भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है।
- अगर आप आर्थिक तंगी से परेशान हैं, तो आप इस दिन शिवलिंग पर गन्ने का रस अर्पित करें। ऐसा करने से आर्थिक तंगी से आपको छुटकारा मिल जाता है। इसके साथ ही साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है।
- आप चाहें तो दूध, दही और शहद भी शिवलिंग पर अर्पित कर सकते हैं। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें। ऐसा करने से महादेव आपकी सारी मानोकामना पूर्ण करेंगे और व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी।

इन मंत्रों का जाप करें

- ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥
- नमामिशमीशान निर्वाण रूपं विभुं व्यापकं ब्रह्म वेद स्वरूपं।।
- ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
- उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

जितिया व्रत के दिन क्या करें और क्या न करें, इन नियमों का ध्यान रखने से व्रत का पूर्ण फल होगा प्राप्त

जितिया व्रत हर साल आश्विन मास में कृष्ण पक्ष की सप्तमी वृद्धा अष्टमी तिथि पर रखा जाता है। इस व्रत का बहुत खास महत्व होता है। भविष्य पुराण के अनुसार, जितिया व्रत करने से संतान की आयु लंबी होती है। इस कठिन व्रत को करने के कई नियम होते हैं, जिनका ख्याल रखना जरूरी होता है। इस दिन कुछ कार्य करने और न करने से आपका व्रत अधूरा रह सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि नहाय खाय से लेकर व्रत के पारण तक व्रती महिलाओं को किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस बार जितिया व्रत 14 सितंबर, रविवार के दिन रखा जाएगा और इसका पारण 15 सितंबर को होगा। व्रत करने वाली महिलाओं को एक दिन पहले से तामसिक भोजन छोड़ देना चाहिए। ऐसे में नहाय खाय के दिन लहसुन, प्याज आदि चीजों का प्रयोग खाने में नहीं करना चाहिए। नहाय खाय के दिन महिलाएं नदी या तालाब में स्नान करती हैं और फिर, झिमनी के पत्तों पर सरसों के तेल की खली को रखकर जीमूतवाहन भगवान की पूजा करती हैं। ऐसा संभव न होने पर आप घर में भी स्नान कर सकती हैं। वहीं, झिमनी के पत्ते न उपलब्ध हो पाने पर केले के पत्तों का प्रयोग किया जा सकता है। विधि-विधान से पूजा करने के पश्चात व्रती महिलाओं को तेल अपनी संतान के सिर पर आशीर्वाद के रूप में लगाना चाहिए। सप्तमी तिथि यानी आज दिन के समय कई स्थानों पर मडुआ की रोटी और मछली खाने की परंपरा होती है। वहीं, जिनके यहां मांसाहार नहीं बनता है, वो व्रती महिलाएं सात्विक भोजन ग्रहण करती हैं। सप्तमी तिथि के दिन ज्यादा हैवी और ऑयली खाना खाने से बचना चाहिए। क्योंकि यह व्रत बेहद लंबा होता है। ऐसे में व्रत रखने में आपको समस्या आ सकता है। खाना खाने के बाद अच्छी तरह दांत साफ करने चाहिए ताकि दांत में अन्न का कोई टुकड़ा न बचे। इस बार अष्टमी तिथि 14 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन सूर्योदय से पहले यानी ब्रह्म मुहूर्त में जितिया ओठगन रहेगा। इस दौरान व्रती महिलाएं चूड़ा, दही, पानी, नारियल पानी आदि ग्रहण कर सकती है। भोजन करने के बाद अपने शरीर को दरवाजे से टिकाकर पानी ग्रहण किया जाता है। माना जाता है कि इससे भाइयों की आयु भी लंबी होती है। ओठगन के बाद महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं। इस दौरान अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं किया जाता है और न ही दातुन किया जाता है। इसके बाद, नवमी तिथि जो इस बार 15 सितंबर, रविवार को पड़ रही है। इस दिन सुबह 6 बजकर 35 मिनट पर अष्टमी तिथि समाप्त हो जाएगी। जिसके पश्चात विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और फल, नारियल, अकड़ी आदि को ढककर रखना चाहिए। अपनी संतान से कपड़ा हटवाने के बाद प्रसाद ग्रहण करके व्रत का पारण करना चाहिए। साथ ही, इस दिन आम दतुअन से दातुन करने का विधान होता है। कथाओं के अनुसार, व्रत का पारण गाय के कच्चे दूध से किया जाता है। कहा जाता है कि चील ने जितिया व्रत रखने के बाद गउशाला से गाय का कच्चा दूध लाकर इस व्रत का पारण किया था। ऐसी मान्यता भी है कि व्रती को व्रत वाले दिन खाना बनाना नहीं चाहिए और न सिलाई-बुनाई का काम करना चाहिए।

संतान के सुखमय जीवन की कामना के लिए किया जाता है जीवित्पुत्रिका व्रत

आज जीवित्पुत्रिका व्रत है, इस दिन माताएं अपने बच्चों की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की कामना के लिए उपवास रखती हैं। जीवित्पुत्रिका व्रत को जितिया भी कहते हैं। जितिया का व्रत मां अपने बच्चे की लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य के लिए रखती हैं तो आइए हम आपको जीवित्पुत्रिका व्रत की पूजा विधि एवं महत्व के बारे में बताते हैं। हिंदू धर्म में संतान की सुरक्षा, अच्छे स्वास्थ्य और सुखमय जीवन के लिए माताएं जीवित्पुत्रिका व्रत रखती है। हर साल आश्विन मास की अष्टमी तिथि को जीवित्पुत्रिका व्रत रखा जाता है। इसे कठिनतम व्रतों में से एक माना जाता है। दरअसल, यह व्रत तीन दिनों तक चलता है और इसमें नहाय-खाय से लेकर निर्जल उपवास और पारण तक की परंपरा निभाई जाती है। ये निर्जला व्रत होता है। इस व्रत की शुरुआत नहाए खाए के साथ होती है और फिर अगले दिन ओठगन के बाद निर्जला व्रत होता है और आखिर में पारण होता है। जितिया व्रत में भगवान जीमूतवाहन की पूजा आराधना की जाती है। यह पर्व पूर्वी भारत के कई राज्यों जैसे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। वर्ष 2025 में इसका आरंभ 13 सितंबर को नहाय-खाय के साथ होगा। इसके बाद 14 सितंबर को महिलाएं पूरे विधि-विधान से जीवित्पुत्रिका व्रत रखेंगी और अगले दिन यानी 15 सितंबर को व्रत का पारण कर व्रत संपन्न किया जाएगा। यह व्रत आश्विन माह की अष्टमी तिथि को 14 सितंबर 2025, सुबह 5 बजकर 4 मिनट पर शुरू होगा। इसका समापन 15 सितंबर, सुबह 3 बजकर 6 मिनट पर होगा। जितिया व्रत का पारण 15 सितंबर, सोमवार को किया जाएगा। जितिया व्रत में जीमूतवाहन की पूजा का विशेष महत्व है। जीमूतवाहन, गंधर्व राजकुमार थे जिन्होंने एक नागिन के पुत्र को बचाने के लिए खुद को गरुड़ को अर्पित कर दिया था। इनकी प्रतिमा बनाकर पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और संतान प्राप्ति की मनोकामना पूरी होती है। इस दिन पीपल के पेड़ के नीचे पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है। महिलाएं पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर कथा सुनती हैं और पेड़ की परिक्रमा करती हैं। पीपल के पेड़ को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है, जिससे सभी दुख दूर होते हैं। जीवित्पुत्रिका व्रत की कथा का पाठ करें जितिया व्रत के दिन इसकी व्रत कथा का पाठ करें या सुनें। इस कथा में जीमूतवाहन की कहानी है। कथा सुनने से व्रत का पूरा फल मिलता है और सभी दुख दूर होते हैं। व्रत के पारण के बाद गरीबों, जरूरतमंदों और ब्राह्मणों को भोजन और वस्त्रों का दान करें। ऐसा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है। जीवित्पुत्रिका के दिन होती है भगवान शिव और पार्वती की पूजा इस दिन भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा का भी बड़ा महत्व है। ऐसे में जितिया व्रत के दौरान उनका विधिवत अभिषेक करें और ऐसा करने से संतान प्राप्ति की मनोकामना पूरी होती है। जीवित्पुत्रिका के दिन जितिया पहनने का है खास महत्व जितिया व्रत के त्योहार में अब बस कुछ ही दिन रह गए हैं। इस व्रत को हिंदू महिलाएं अपने बच्चों की दीर्घायु और सलामती के लिए करती हैं। यह व्रत तीन दिनों तक चलता है, जिसमें पहले दिन 'नहाई-खाई' होता है और दूसरे दिन निर्जला उपवास रखा जाता है। इसके बाद तीसरे दिन व्रत का पारण किया जाता है। इस दौरान महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं और भगवान जीमूतवाहन की पूजा-अर्चना करती हैं। पूजा के बाद महिलाएं अपने बच्चों को एक विशेष धागा पहनाती हैं, जिसे जितिया धागा कहा जाता है। देश के कुछ हिस्सों में माताएं संतान के हाथों में यह धागा बांधती हैं, तो वहीं कुछ जगहों पर यह धागा संतान के गले में पहनाया जाता है।

आर्थिक राशिफल : सिंह राशि से जाते हुए बुध दिलाएंगे वृषभ, कर्क समेत 5 राशियों को बुद्धि और चतुराई से लाभ, इन राशियों की बढ़ेगी कमाई

मेष राशि कार्यक्षेत्र में आप नई योजनाओं पर अधिक ध्यान दे सकते हैं और किसी विशेष व्यवस्था पर भी समय व्यतीत हो सकता है। व्यापार के मामले में आप कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। लेकिन आपको कोई भी काम सावधानी से करना होगा, अन्यथा परेशानी खड़ी हो सकती है। सोच-समझकर फैसले लेने से आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी।

वृषभ राशि दिन कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। जीवन में सुख-शांति आएगी और व्यवसाय के क्षेत्र में नए सहयोगी मिल सकते हैं। ऐसे में आपके कई मुश्किल काम आसान होंगे।

मिथुन राशि कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी प्रोजेक्ट या काम के चलते आपकी चिंता भी बढ़ सकती है। ऐसे में धैर्य रखना जरूरी होगा। नौकरी करने वालों पर काम का प्रेशर बढ़ सकता है। ऐसे में आप कार्यस्थल पर ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। इससे आपको थकान महसूस हो सकती है। वहीं, जीवनसाथी की सेहत पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

कर्क राशि आपका दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि, आपको थोड़ा धन भी खर्च करना पड़ सकता है। अगर कार्यक्षेत्र में बहुत समय से आपके जरूरी काम रुके हुए थे, तो अब वे पूरे हो सकते हैं। वहीं, परिवार में किसी से सुखद समाचार सुनने को मिल सकता है। जिससे खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

सिंह राशि आपको कारोबार के मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे बिगड़े काम भी बनने शुरु हो सकते हैं। वहीं, व्यापार में बनाई गई योजनाएं लाभकारी सिद्ध होंगी। कार्यस्थल पर स्थान परिवर्तन के योग हैं, जिनसे आपको एक नया मोड़ मिल सकता है। व्यवसाय के क्षेत्र में किसी सहयोगी की मदद से लाभ होगा और पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण बना रहेगा।

कन्या राशि

कार्यक्षेत्र में कुछ सहकर्मी आपसे सहायता मांगने आ सकते हैं। ऐसे में आपको सभी का सम्मान करना होगा और उनका मार्गदर्शन करना लाभदायक सिद्ध हो सकता है। यही लोग भविष्य में आपके सहयोगी बन सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय के क्षेत्र में आपको शांति के साथ कोई भी काम करना होगा। किसी भी प्रकार की बहस या टकराव से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

तुला राशि कार्यक्षेत्र और पारिवारिक मामले में दिन आनंददायक व्यतीत होगा। आपके सुखों में वृद्धि होगी और आर्थिक मामलों में भी लाभ होने के संकेत हैं। ऐसे में आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, व्यापार में योजनाएं आगे बढ़ सकती हैं। आपके बिगड़े हुए काम किसी मित्र की सलाह और सहयोग से पूरे हो सकते हैं। यह समय आपके लिए अनुकूल रहने वाला है, जिसका लाभ उठाना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक राशि व्यापार के मामले में आपके प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे और कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। आप अपने कुछ बिगड़े कार्यों को सुधारने के लिए योजनाएं बना सकते हैं, जिसमें ज्यादा व्यस्त रहेंगे। वहीं, किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेकर आगे बढ़ना आपके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा और आपका तनाव भी कम होगा।

धनु राशि आपका दिन आर्थिक मामलों में उत्तम रहने वाला है। मुनाफा कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे और अचानक पड़ी मात्रा में धन लाभ हो सकता है। इसी के चलते आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती जाएगी। कार्यक्षेत्र में अपनी समझदारी और चतुराई से आप सभी समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। प्रयास करने से सफलता जरूर प्राप्त होगी।

मकर राशि कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज के सिलसिले में या प्रोजेक्ट के चलते ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। व्यापार और कारोबार के क्षेत्र में आपको अधिक ध्यान देना होगा। प्रयास और मेहनत से ही सफलता प्राप्त हो सकती है। आपको बिगड़े हुए कार्यों को पूरा करने के लिए भी ज्यादा समय निकालना पड़ सकता है। नौकरी करने वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा और परिवार में शांतिपूर्ण माहौल रहेगा।

कुंभ राशि व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में आपको भाग्य का साथ मिलेगा। जिससे सभी रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी लाभ होगा और धन प्राप्ति की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और व्यापार में सफलता हासिल होगी। कार्यस्थल पर आपके विरोधी पराजित होंगे और पराक्रम में वृद्धि होगी। सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

मीन राशि आपका दिन आर्थिक मामलों में मिलाजुला रहने वाला है। सोच-समझकर निर्णय लेने से लाभ हो सकता है। लेकिन कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और नौकरी करने वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है और परिवार में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

शिवलिंग पूजा के बाद तीन बार ताली का रहस्य, जानें त्रिदेव आह्वान की गहरी मान्यता

सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। वहीं आमतौर पर भी भगवान शिव की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए शिव पूजन करते हैं। आपने भी देखा होगा कि कुछ लोग पूजा के बाद भगवान शिव के सामने तीन बार ताली बजाते हैं। बता दें कि यह एक आध्यात्मिक और धार्मिक अभ्यास है। जोकि भगवान शिव के प्रति भक्ति, श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक होता है। शिवलिंग के सामने तीन बार ताली बजाने का गहरा महत्व होता है। पहली ताली भगवान शिव के प्रति भक्त की उपस्थिति को दर्शाता है। दूसरी ताली मनोकामना पूर्ति और समृद्धि की प्रार्थना का प्रतीक मानी जाती है और तीसरी ताली क्षमायाचना और उनके चरणों में स्थान पाने की इच्छा व्यक्त करती है। तीन ताली बजाने के पीछे मान्यता है कि ऐसा करने से ब्रह्मा, विष्णु और महेश के आह्वान होता है। तीन ताली बजाकर तीनों देवताओं को नमन किया जाता है। यह भगवान शिव के त्रिगुणात्मक स्वरूप यानी कि सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण की उपासना का भी प्रतीक होता है, ऐसा करने से जातक को जल्द ही भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

कुछ मान्यताओं के मुताबिक रावण और भगवान श्रीराम दोनों ने भगवान शिव की पूजा के बाद तीन बार ताली बजाई थी। जिससे उनको सफलता और आशीर्वाद दोनों प्राप्त हुए थे। कहा जाता है कि रावण ने भगवान शिव की पूजा करने के बाद तीन बार ताली बजाई थी, जिसके बाद रावण को सोने की लंका मिली थी। वहीं मां सीता का पता लगाने के बाद जब श्रीराम को लंका तक जाने के लिए सेतु निर्माण की जरूरत थी। तब उन्होंने रामेश्वरम में भगवान शिव की पूजा की थी और भगवान शिव के सामने तीन बार ताली बजाई थी। इसके बाद सेतु का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। वहीं अन्य मान्यताओं के मुताबिक 3 बार ताली बजाने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है। क्योंकि तीन बार ताली बजाने से कंपन पैदा होती है, जिससे निगेटिव एनर्जी दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे जातक को मानसिक शांति मिलती है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि तीन बार तालियां बजाने से हाथ के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स पर भी दबाव पड़ता है। इससे शरीर के विभिन्न अंगों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और सेहत को भी

रोड शो के दौरान प्रदेशाध्यक्ष की तबीयत बिगड़ी

बैतूल में जीप के दरवाजे में दबी दो उंगलियां, खून बहने लगा, चक्कर आ गए

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल के आठनेर में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की स्वागत रैली के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। वाहन पर चढ़ते समय उनकी उंगली गाड़ी के गेट में दब गई। इससे दर्द के चलते उन्हें चक्कर आ गया। कार्यकर्ताओं ने डीजे बंद कर उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया। हेमंत खंडेलवाल के साथ मौजूद जिला भाजपा उपाध्यक्ष कृष्णा गायकी ने बताया कि भीड़ के समय वे वाहन के गेट पर थे। तभी अचानक जीप का गेट बंद कर दिया गया, जिसमें प्रदेशाध्यक्ष की दो उंगलियां दब गई। इसके बाद उनसे खून आने लगा। मैंने उन्हें देखा तो उनकी तबीयत कुछ बिगड़ी लगी, तभी उन्हें तुरंत निजी अस्पताल ले गए। जहां जांच में सब कुछ सामान्य पाया गया। एक्सरे में भी कोई समस्या नजर नहीं आई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की तबीयत बिगड़ने पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें पानी पिलाया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल को निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टर ने उनकी जांच की। डॉ. देवेंद्र चढ़ोकर ने प्राथमिक जांच के बाद बताया कि उनकी उंगली में चोट और तेज दर्द के कारण चक्कर आया। फिलहाल उनकी स्थिति पूरी तरह सामान्य है। उन्हें इसके बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। बता दें कि, प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद खंडेलवाल पहली बार आठनेर पहुंचे थे। उनके स्वागत में नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा, तुलादान और स्वागत समारोहों का आयोजन किया। अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं के जोश और जनता के स्वागत को देखते हुए फिर से रोड शो में हिस्सा लिया। वे नगर में आयोजित सभी स्वागत समारोहों में उपस्थित रहे और लोगों का आभार व्यक्त किया। डिस्चार्ज होने के बाद वे फिर से रोड शो में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। आठनेर बीएमओ डॉ. सचिन आहतकर ने बताया कि आज प्रदेशाध्यक्ष के दौरे के समय मौसम भी अनुकूल नहीं था, उन्हें अचानक चक्कर आ गया। इसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में एडमिट किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। जहां उनका उपचार किया गया। उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

मुलताई के लड़का-लड़की गुजरात में कर रहे थे मजदूरी डेढ़ साल पहले हुए थे लापता, पुलिस ने नाबालिग का कराया मेडिकल टेस्ट

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई से करीब डेढ़ साल पहले लापता हुए दो नाबालिगों को पुलिस ने गुजरात से बरामद कर लिया है। मुलताई थाना क्षेत्र के एक गांव से 16 वर्षीय छात्रा और 17 वर्षीय छात्र एक-एक सप्ताह के अंतराल में गायब हो गए थे। दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट पर मुलताई थाने में अपहरण का केस दर्ज किया गया था। दोनों अप्रैल 2024 में एक साथ गए थे। लेकिन मामला अलग-अलग तारीख में दर्ज हुआ था। इसी महीने की 5 तारीख को दोनों के गुजरात में होने की सूचना मिली। 8 सिंतबर को 8 सितंबर को मुलताई पुलिस गुजरात के मोरबी रवाना हुई। 12 सितंबर को दोनों को लेकर वापस आ गई। थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम के सदस्य एसआई सुनील सरेआम, आरक्षक नरेश,आरक्षक मेघा ने मोरबी जाकर दोनों को बरामद किया। उन्हें मुलताई वापस लाया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि बालिका का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। उसके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोनों नाबालिगों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया ने बताया कि इस मामले पर लगातार नजर रखी गई थी एवं परिजनों से पूछताछ की गईं। तकनीकी साक्ष्य भी खंगाले गए है, जिसके बाद इनकी लोकेशन गुजरात में मिली और इन्हें वहां से दस्तयाब किया गया।

पांच दिन में 800 चालकों से वसूले 3.09 लाख बैतूल में तेज रफ्तार, बिना हेलमेट-सीट बेल्ट ड्राइविंग पर सख्ती

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में यातायात पुलिस ने नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने पहले पांच दिनों में 800 वाहन चालकों से 3 लाख 9 हजार 400 रुपए का शमन शुल्क वसूला है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर यह विशेष अभियान 8 से 22 सितंबर 2025 तक चलेगा। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी के मार्गदर्शन में अभियान चल रहा है। पुलिस कई तरह के उल्लंघनों पर कार्रवाई कर रही है। इनमें तेज गति से वाहन चलाना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट का उपयोग, और नाबालिग द्वारा वाहन चलाना शामिल है। वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग, शराब पीकर वाहन चलाना और रॉन्ग साइड से वाहन चलाने वालों पर भी जुर्माना लगाया जा रहा है। यातायात पुलिस ओवरलोडिंग, बिना लाइसेंस, बिना फिटनेस और बिना परमिट वाहन चलाने वालों पर भी कार्रवाई कर रही है। यह अभियान सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार चलाया जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की।

मुलताई नगर पालिका में लोक अदालत फेल सर्वर डाउन और बिजली हुई गुल, भुगतान नहीं कर पाए सैकड़ों लोग

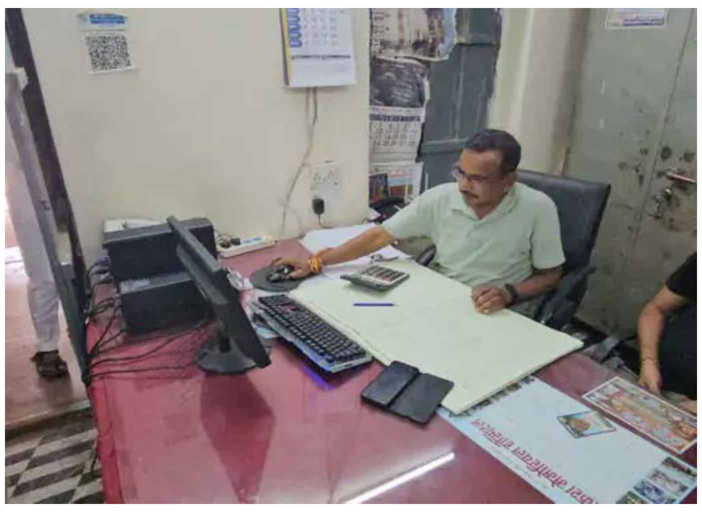

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई नगर पालिका परिषद में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में तकनीकी खामियों के कारण व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। नागरिकों को करों में रियायत देने के लिए आयोजित इस लोक अदालत में सुबह से ही सर्वर डाउन रहा। नगर पालिका परिसर में संपत्ति कर, जल कर, सफाई कर और लाइसेंस शुल्क में रियायत के साथ भुगतान की सुविधा दी गई थी। नागरिक सुबह से ही कतार में खड़े थे। सर्वर डाउन की समस्या दोपहर 2 बजे तक बनी रही। इस दौरान किसी का भी बिल जनरेट नहीं हो पाया। काफी प्रयास के बाद सर्वर चालू हुआ। लेकिन बिजली की बार-बार कटौती ने नई समस्या खड़ी कर दी। बिजली गुल होने से कंप्यूटर सिस्टम रीस्टार्ट होते रहे। कई नागरिकों का ऑनलाइन लेन-देन बीच में ही अटक गया। उन्हें पूरी प्रक्रिया दोबारा करनी पड़ी। घंटों इंतजार के बाद भी सैकड़ों लोग बिना काम निपटाए लौट गए। नागरिकों ने सवाल उठाया कि जब ऑनलाइन व्यवस्था ठप थी तो ऑफलाइन भुगतान की सुविधा क्यों नहीं दी गई। इससे उन्हें राहत मिलती और पेनल्टी से बचा जा सकता था। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने सर्वर डाउन को मुख्य समस्या बताया। उन्होंने कहा कि यह तकनीकी खामी थी और भविष्य में ऐसी दिक्कतें न आएं, इसके लिए कदम उठाए जाएंगे।

मरीज से मारपीट मामले में धरने पर बैठे लोगः मुलताई के पट्टन अस्पताल में जांच टीम पहुंची, लोगों ने कहा- पहले डॉक्टर को हटाओ

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई के पट्टन सरकारी अस्पताल में बीएमओ डॉ. जितेंद्र अत्रे और मरीज के बीच मारपीट का वीडियो सामने आया था। कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. मनोज हूरमाड़े ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है। समिति में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश परिहार, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय खातरकर और बैतूल बाजार अस्पताल के डॉ. संगम मांडवी शामिल हैं। शनिवार को जब जांच टीम अस्पताल पहुंची, तो स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी धरने पर बैठ गए और जांच रोक दी। पीड़ित प्रदीप पाटिल, गौतम उबनारे, प्रणव पटेल, हरीश शिवहरे की मांग है कि पहले बीएमओ को पद से हटाया जाए। उनका कहना है कि बीएमओ पद पर रहते हुए डॉ. अत्रे जांच को प्रभावित कर सकते हैं। लोगों का मानना है कि एक जिम्मेदार अधिकारी का मरीज के साथ गलत व्यवहार निंदनीय है। जांच समिति मौके पर मौजूद रही, लेकिन विरोध के कारण कोई कार्रवाई नहीं कर पाई। अब प्रशासन के निर्णय पर आगे की कार्रवाई निर्भर करेगी। यह मामला अब चिकित्सा विभाग की सीमा से निकलकर जन आक्रोश का विषय बन गया है। इस पूरे मामले में शनिवार को पीड़ित प्रदीप पाटिल भी सामने आया। उन्होंने बताया कि घर में मेरे पिता, बच्चे और पत्नी की तबीयत खराब थी। मैं अपने बच्चे और पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल लाया था, लेकिन वहां उसे अस्पताल में इलाज नहीं मिला। उसके बच्चे को वरुड रेफर किया जा रहा था। जब उसने डॉक्टर अत्रे से कहा कि मेरे बच्चे का आप इलाज कर दीजिए। इसी बात पर से डॉक्टर भड़क गए और उन्होंने उसके साथ जमकर मारपीट की है।

गोवंश तस्करी का आरोपी शाहपुर में गिरफ्तारःमहाराष्ट्र भेजने की थी योजना हिंदू संगठन और पुलिस ने माचना पुल पर पकड़ा

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल के शाहपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और राष्ट्रीय हिंदू संगठन ने गोवंश तस्करी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पाठई गांव का रहने वाला राधेश्याम मर्सकोले माचना पुल के पास से पकड़ा गया। राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ता आकाश साहू को तस्करी की सूचना मिलते ही वे अपने साथियों दुर्गेश यादव, संस्कार वर्मा, अनिकेत मालवीय और सुभाष यादव के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपी पहाबाड़ी के जंगल के रास्ते से खारी की तरफ गोवंश ले जा रहा था। कार्यकर्ताओं को देखकर आरोपी भागने लगा। उसे इको सेंटर के पास पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वो गोवंश को अलग-अलग तस्करों को सौंपता है। इसके बाद एक राहुल नाम का व्यक्ति इन्हें महाराष्ट्र भेज देता है। पुलिस ने मौके से दो गोवंश को बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ गौवंश प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस तस्करी के अन्य तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949